43.4 C°F
नागपुर शहर
बारिश: 0% | नमी: 12% | हवा: 11 किमी/घ

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
BCN GROUP
आज वरूथिनी एकादशी का व्रत

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 24 अप्रैल 2025 | अंक 190/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

पहलगाम हमला

पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई सीसीएस की बैठक

जम्मू.

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक हुई जो कि 2.30 घंटे चली. इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित अन्य कई लोग मौजूद थे. इस बैठक में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर गहन चर्चा हुई. बैठक में पहलगाम के दौरे से वापस लौटे गृह मंत्री अमित शाह ने पीएम मोदी सहित सभी अन्य राजनेताओं से पूरी वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी दी. ढाई घंटे तक चली बैठक के बाद रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री सहित अन्य नेता पीएमओ से निकल गए हैं.

हालांकि अभी अमित शाह पीएमओ में ही है. माना जा रहा है कि इस बैठक में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आगे की रणनीति तय की है. जिसका असर आने वाले कुछ दिनों में देखने को मिलेगा. अब सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में शामिल हो चुके हैं. बैठक में अमित शाह पहलगाम आतंकी हमले की पूरी जानकारी पीएम मोदी सहित सभी लोगों को देंगे. जिसके बाद सभी से चर्चा के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा. बताते चले कि सीसीएस यानी कि कैबिनेट समिति की बैठक में पीएम मोदी के साथ-साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल होते है. इसके साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, कैबिनेट सचिव और रक्षा सचिव भी इस बैठक में शामिल हो सकते हैं.

आतंकी हमले के बाद भारत ने लिया एक्शन

पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक हुई. विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा, "पहलगाम आतंकी हमले में 25 भारतीय और 1 नेपाली नागरिक की मौत हुई.पाकिस्तानी नागरीकों को वीजा नहीं मिलेगा. सिंधु जल समझौता पर लगाई रोक. अटारी-वाघा बॉर्डर बंद."

आतंकियों की जानकारी देने वाले को 20 लाख का इनाम

22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश में गुस्सा है. घाटी में आतंकवादियों के खिलाफ एक्शन लिया जा रही है. इस बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बड़ा ऐलान किया है. अनंतनाग पुलिस ने बुधवार को इस कायराना हमले में शामिल आतंकवादियों के बारे में कोई भी सूचना देने पर 20 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है.

बनाई गई आगे की रणनीति

हालांकि ये लोग सीसीएस के सदस्य नहीं होते. सीसीएस की बैठक में शामिल होने से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में हमारे देश ने अनेक निर्दोष नागरिकों को खोया है. इस अमानवीय कृत्य से हम सभी गहरी शोक और दर्द में हैं. सबसे पहले मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है. इस दुखद समय में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं. इसके बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां मैं भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा. आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है. भारत का एक-एक नागरिक इस कायरतापूर्ण हरकत के खिलाफ एकजुट है. मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वो कदम उठाएगी जो जरूरी और उपयुक्त होगा. हम सिर्फ उन लोगों तक नहीं पहुंचेंगे जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है. हम उन तक भी पहुंचेंगे जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठ कर भारत की सरजमीं पर ऐसी नापाक हरकतों की साजिशें रची हैं.

डॉक्टर ए जयतिलक होंगे केरल के अगले मुख्य सचिव

शारदा मुरलीधरन की जगह लेंगे

तिरुवनन्तपुरम.

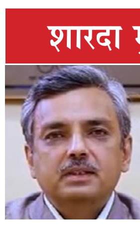

1991 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी डॉ. ए. जयतिलक को केरल का अगला मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वे सरदा मुरलीधरन की जगह लेंगे, जो वर्तमान में राज्य में शीर्ष नौकरशाही पद पर हैं। जयतिलक के जून 2026 में अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बने रहने की उम्मीद है।1990 बैच की अधिकारी सरदा मुरलीधरन ने अपने बैचमेट और पति वी वेणु की सेवानिवृत्ति के बाद पिछले साल अगस्त में कार्यभार संभाला था। जब हम आईएएस बनते हैं, तो हम कभी भी मुख्य सचिव बनने का सपना नहीं देखते हैं। लेकिन यह वास्तव में संतुष्टिदायक है। वायनाड टाउनशिप परियोजना सर्वोच्च प्राथमिकता पर होगी और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी हैं, और मैं इस गति को जारी रखने की योजना बना रहा हूं। "वित्त के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में, वित्तीय संकट से जूझना सबसे बड़ी चुनौती थी। हम अच्छा कर सकते थे, हम पेंशन वितरित कर सकते थे, हम बुनियादी ढांचे के लिए उचित धन सुनिश्चित कर सकते थे। मुख्य सचिव के रूप में, अच्छे काम को आगे बढ़ाया जाएगा," जब उनसे आईएएस सर्कल के भीतर चल रही खींचतान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।केरल कैडर के जयतिलक वर्तमान में राज्य सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) के रूप में कार्यरत हैं। अपने करियर के दौरान, उन्होंने कई प्रमुख पदों पर काम किया है, जिसमें इंटरनेशनल पेपर कम्युनिटी के अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ में पर्यटन बोर्ड के प्रबंध निदेशक शामिल हैं।उनकी नियुक्ति चल रहे विवाद के बीच हुई है। जयतिलक को हाल ही में निलंबित आईएएस अधिकारी प्रशांत एन ने कानूनी नोटिस भेजा था, जिसमें उन पर - निलंबित अधिकारी के गोपालकृष्णन के साथ - दस्तावेजों को गढ़ने और अपमानजनक मीडिया रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया गया था।

उत्तर प्रदेश में बढ़े बिजली के दाम

> यूपीपीसीएल ने दरों में 1.24 प्रतिशत का किया इजाफा

लखनऊ. महंगाई की मार झेल रहे प्रदेशवासियों को पांच वर्ष बाद बिजली के महंगी होने का भी अब झटका लगेगा। फ्यूल सरचार्ज (ईंधन अधिभार) के एवज में बिजली कंपनियों ने 1.24 प्रतिशत बिजली महंगी कर दी है। ऐसे में विद्युत उपभोक्ताओं को अप्रैल में ही ज्यादा बिजली का बिल चुकाना होगा। महंगी बिजली से उपभोक्ताओं की जेब ढीली कर कंपनियां 78.99 करोड़ रुपये अतिरिक्त कमाई करेंगी। वैसे तो सरचार्ज के लागू होने से अब प्रतिमाह बिजली का खर्चा कुछ बढ़ता-घटता रहेगा, लेकिन चालू वित्तीय वर्ष के टैरिफ निर्धारण के लिए चल रही प्रक्रिया से अगले दो-तीन माह में मौजूदा बिजली की दरों में 10 से 20 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। दरअसल, उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन- 2025 के तहत इस वर्ष जनवरी में बिजली कंपनियों को प्रत्येक माह स्वतः फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (ईंधन अधिभार शुल्क) तय करने का अधिकार दे दिया था। आयोग से मिले अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कंपनियों ने प्रदेश में पहली बार उपभोक्ताओं से फ्यूल सरचार्ज वसूलने का आदेश किया है। आदेश के तहत प्रदेश के 3.45 करोड़ विद्युत उपभोक्ताओं से फ्यूल सरचार्ज के एवज में अप्रैल में 1.24 प्रतिशत ज्यादा बिल की वसूली की जाएगी। इस संबंध में बिलिंग साफ्टवेयर में बदलाव करके उपभोक्ताओं को सरचार्ज की धनराशि जोड़कर बिल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। फ्यूल सरचार्ज के लागू होने का असर यह होगा कि अगर किसी उपभोक्ता द्वारा मार्च में उपभोग की गई बिजली का कुल बिल एक हजार रुपये होता है तो उसे अप्रैल में 12.40 रुपये और सरचार्ज के एवज में जमा करने होंगे।

कुलगाम में आतंकियों-सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

जम्मू. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को अंजाम देने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के आतंकवादियों की शामत आ गई है। सेना ने कुलगाम में टीआरएफ के टॉप आतंकी को घेर लिया है। दक्षिणी कश्मीर जिले के तंगमर्ग इलाके में चल रहे इस एनकाउंटर में दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। टीआरएफ पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा आतंकी संगठन है। इसी टीआरएफ ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भी अंजाम दिया है, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। पहलगाम में कई आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी कर दी थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। आतंकियों ने लोगों से धर्म पूछकर उनकी जान चली। इस हमले के बाद देशभर में काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है। भारत ने साफ किया है कि हमले के दोषियों को करारा जवाब दिया जाएगा।

बेटी के यौन शोषण की शिकायत में देरी को न्यायसंगत माना

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसले में उस महिला के खिलाफ चल रही पोक्सो एक्ट की कार्रवाई को रद्द कर दिया, जिसने अपनी बेटी के साथ हुए यौन शोषण की शिकायत करने में देरी की थी. अदालत ने स्पष्ट किया कि महिला स्वयं घरेलू हिंसा का शिकार थी और ऐसे में उसे आरोपित करना उसकी पीड़ा को और बढ़ाना होगा, जो किसी भी हालत में न्यायसंगत नहीं है. दरअसल, एक महिला ने अपनी 10 साल की बेटी के साथ यौन शोषण की घटना की रिपोर्ट दी थी. यह अपराध महिला के पति और उसके दो रिश्तेदारों द्वारा किया गया था. जब महिला ने अपनी दुर्दशा के बारे में दिल्ली महिला आयोग की हेल्पलाइन पर जानकारी दी, तो पुलिस ने आरोपी पर पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया. हालांकि, महिला को भी आरोपित कर दिया गया और उसे पोक्सो एक्ट की धारा 21 के तहत चार्जशीट किया गया, जो बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की रिपोर्ट न करने पर दंड का प्रावधान करता है. दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह महिला खुद घरेलू हिंसा का शिकार थी, जहां उसे लगातार शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा था. अदालत ने यह माना कि ऐसी स्थिति में महिला से तुरंत कार्रवाई की उम्मीद करना न केवल अमानवीय है, बल्कि न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ भी है. जस्टिस शर्मा ने कहा जब कोई महिला अपने घर में हिंसा का शिकार हो रही हो और उसकी सुरक्षा खतरे में हो, तो उसका मानसिक स्थिति इतनी कमजोर हो सकती है कि वह अपनी बेटी के साथ हुई घटना को भी सही समय पर रिपोर्ट करने में असमर्थ हो सकती है. कोर्ट ने आगे कहा कि इस तरह की परिस्थितियों में महिला को दोषी ठहराना न केवल उसे शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ने जैसा होगा, बल्कि यह उसकी बेटी के लिए भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है. अदालत ने यह भी कहा कि जब मां खुद अत्याचार की शिकार हो, तो वह अपनी बेटी को कैसे बचा सकती है.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 25-26 को प्रस्तावित लद्दाख यात्रा की रद्द

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पैदा हुए हालात के मद्देनजर लद्दाख का अपना दो दिवसीय दौरा रद्द कर दिया है। सिंह को 25 और 26 अप्रैल को लद्दाख का दौरा करना था। सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्री ने अपना आगामी लद्दाख दौरा रद्द कर दिया है। मंगलवार को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किये गए हमले में 26 नागरिक मारे गए, जिससे भारत और विदेशों में व्यापक आक्रोश फैल गया। बुधवार को सिंह ने करीब ढाई घंटे की बैठक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की थी। इस बैठक में एनएसए अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए थे।

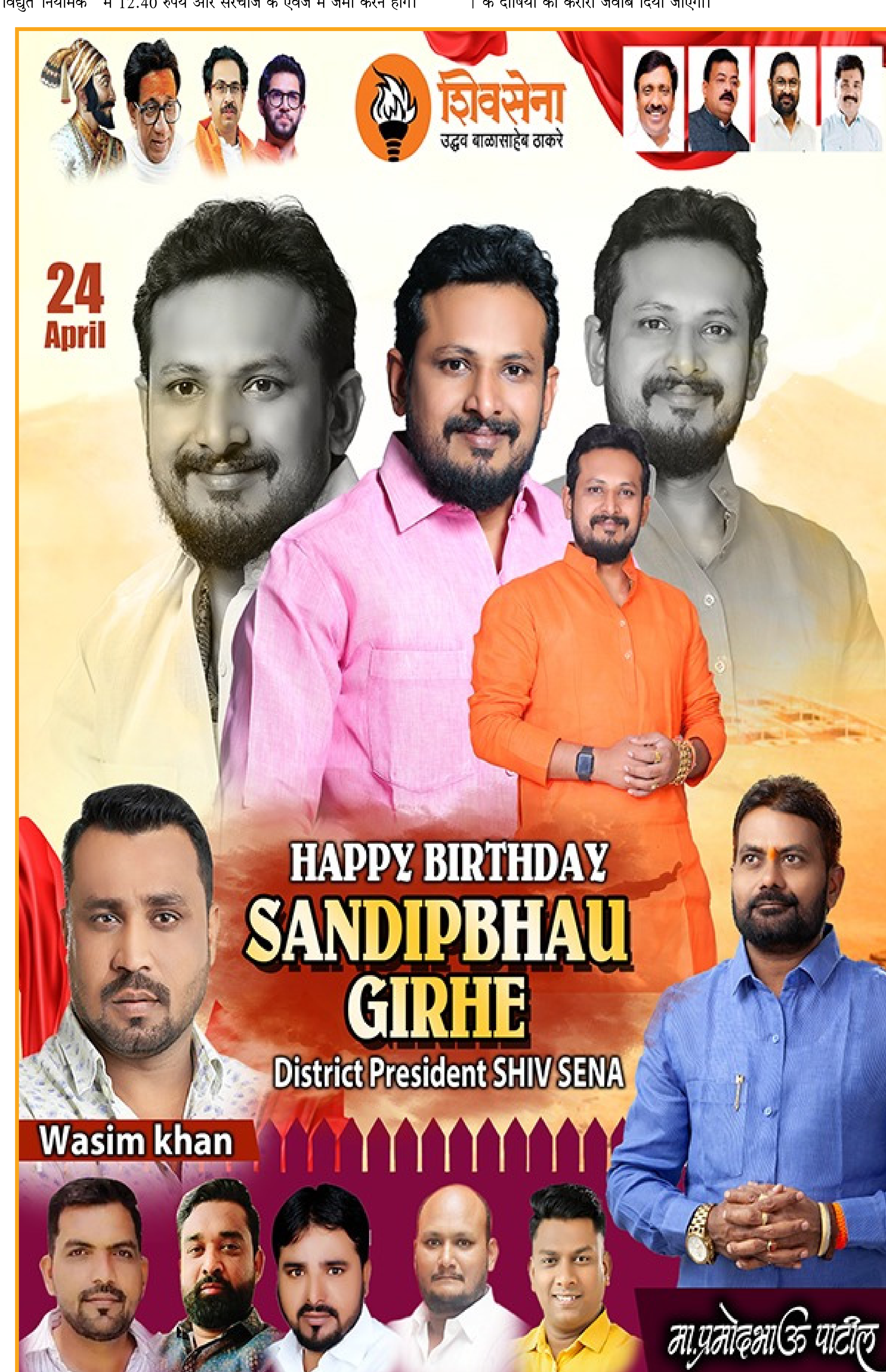

दिल्ली में कई गाड़ियों को 1 जुलाई से नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

एनसीआर के कई शहरों में भी लगेगा बैन

नई दिल्ली.

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कड़े कदम उठाते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने बड़ा फैसला लिया है. आदेश के मुताबिक, 1 जुलाई 2025 से दिल्ली में 15 साल से पुरानी पेट्रोल और 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियों को पेट्रोल पंपों से फ्यूल नहीं मिलेगा. यह आदेश सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है. गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा), गुरुग्राम और सोनीपत जैसे एनसीआर के अहम शहरों में यह नियम 1 नवंबर 2025 से लागू किया जाएगा. जबकि बाकी एनसीआर के शहरों फरीदाबाद, पानीपत, करनाल, बल्लभगढ़, भिवाड़ी, रेवाड़ी, पलवल, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़, हापुड़, मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, अलीगढ़, अलवर में 1 अप्रैल 2026 से यह आदेश प्रभाव में आएगा. सिएकिऊएम के निर्देशों के तहत दिल्ली और एनसीआर के पेट्रोल पंपों पर जहां एएनपीआर कैमरे लगे हैं या फिर लगाए जाएंगे, वो वाहनों की नंबर प्लेट स्कैन करके उनकी उम्र और पॉल्यूशन नॉर्म्स की जानकारी जुटाएंगे. इस कैमरा सिस्टम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रतिबंधित वाहन फ्यूल न भरवा सकें. इसके अलावा 1 नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-6 मानक से नीचे के पेट्रोल और डीज़ल पर चलने वाले गैर-जरूरी कमर्शियल वाहनों, जिनका पंजीकरण दिल्ली के बाहर हुआ है, उनकी दिल्ली में एंट्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया जाएगा. यह कदम दिल्ली की हवा को साफ़ रखने के लिए उठाया गया है. हालांकि, ऐसे गैर-बीएस6 कमर्शियल वाहन जो खाद्य सामग्री, दवाइयां या अन्य ज़रूरी सेवाएं लेकर दिल्ली में आते हैं, उन्हें थोड़ी राहत दी गई है. लेकिन इस श्रेणी के वाहनों पर भी 31 अक्टूबर 2026 से दिल्ली में प्रवेश पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा. सिएकिऊएम का यह आदेश राजधानी और एनसीआर में प्रदूषण कम करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा और सख़्त कदम माना जा रहा है. इसका असर दिल्ली के लाखों वाहन मालिकों पर पड़ेगा और फ्यूल स्टेशन पर निगरानी की तकनीक में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा.

दिल्ली में कितनी है पुरानी गाड़ियों की संख्या

अकेले दिल्ली में इस समय 61 लाख से ज़्यादा 15 साल से पुरानी पेट्रोल की गाड़ियां और 10 साल से पुरानी डीजल की गाड़ियां हैं. वहीं उत्तरप्रदेश में आने वाले एनसीएआर के शहरों में 12 लाख से ज़्यादा 15 साल से पुरानी पेट्रोल की गाड़ियां और 10 साल से पुरानी डीजल की गाड़ियां है और हरियाणा के एनसीएआर शहरों में ये संख्या 27 लाख के पार है और राजस्थान के एनसीएआर में आने वाले शहरों में यह संख्या 6 लाख 20 हज़ार से ज़्यादा है. ऐसे में इन गाड़ियो को फ्यूल ना देने का आदेश लागू होने के बाद लाखो वाहन मालिको के प्रभावित होने की संभावना है.

CMYK

अक्षय तृतीया पर तनिष्क की शानदार वेडिंग ज्वेलरी

दिल्ली.

अक्षय तृतीया के अवसर पर, तनिष्क ने अपनी ब्राइडल ज्वेलरी रेंज रिवाह का अनावरण किया है, जो समर वेडिंग्स के लिए परफेक्ट है। रिवाह बाए तनिष्क भारतीय शादी परंपराओं को पूरी तरह से समझते हुए, हर फंक्शन के लिए अनुकूल आभूषणों का कलेक्शन पेश करता है। चाहे वह हल्दी, मेहंदी, संगीत या शादी हो, रिवाह में हर अवसर के लिए खास डिज़ाइन्स हैं, जो दुल्हन की व्यक्तिगत पसंद और सांस्कृतिक धरोहर को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं।

रिवाह के डिज़ाइन्स में परंपरा और आधुनिकता का बेहतरीन संगम देखने को मिलता है। तनिष्क का यह कलेक्शन भारतीय शादी की विभिन्न परंपराओं को महत्व देता है और उन पर आधारित विशिष्ट आभूषणों का प्रस्तुत करता है, जैसे उत्तर प्रदेश की नथ, महाराष्ट्र के ठुशी और तोड़े कंगन। ये आभूषण न केवल परंपराओं को निभाने के लिए हैं, बल्कि दुल्हन की व्यक्तिगत शान और स्टाइल को भी दर्शाते हैं।तनिष्क की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर पेल्कि त्शेरिंग ने कहा, "अक्षय तृतीया पर रिवाह का कलेक्शन भारतीय दुल्हनों के लिए एक नया अनुभव लेकर आया है, जिसमें परंपरा और आधुनिकता का मिलाजुला रूप दिखता है। रिवाह के डिज़ाइन आधुनिक दुल्हनों के स्वाद को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं, जो उन्हें अपने विशेष दिन पर परंपरा और शान दोनों का अनुभव कराते हैं।

तनिष्क ने दुल्हनों और उनके परिवारों से अपील की है कि वे रिवाह के कलेक्शन का अनुभव करने के लिए नज़दीकी तनिष्क स्टोर पर जाएं या ऑनलाइन एक्सप्लोर करें, ताकि वे अपनी शादी को और भी खास बना सकें।

पुरानी ज्वेलरी पर 100% एक्सचेंज वैल्यू का लाभ

इसके साथ ही, तनिष्क ने त्यौहारों के लिए शानदार ऑफर भी पेश किए हैं। इन ऑफर्स में सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्जेस और डायमंड ज्वेलरी पर 20% तक की छूट दी जा रही है। इसके अलावा, सोने की खरीदारी पर हर ग्राम में 101 रुपये की छूट मिल रही है। ग्राहकों को गोल्ड रेट प्रोटेक्शन का लाभ भी मिलेगा, जो सोने की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी से बचाव करेगा। साथ ही, तनिष्क पर पुराने सोने को 100% एक्सचेंज वैल्यू पर बदला जा सकता है, जिससे ग्राहक अपनी पुरानी ज्वेलरी को नए आभूषणों में बदल सकते हैं।

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव

> निवेशकों के लिए क्या हैं संकेत

नई दिल्ली.

सोने की कीमतें एक बार फिर से रिकॉर्ड लेवल से नीचे आ गई हैं. मंगलवार से लेकर अब तक कुछ ही कारोबारी घंटों में गोल्ड की कीमतों में 3,900 रुपए गिरावट देखने को मिल चुकी है. जानकारों की मानें तो सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई पर थीं, जिसके बाद निवेशकों की ओर से मुनाफावसूली देखने को मिल रही है. वहीं दूसरी ओर डॉलर इंडेक्स में भी इजाफा देखने को मिला है. जिसका असर भी गोल्ड की कीमतों में देखने को मिला है. जानकारों के अनुसार अमेरिका और चीन के ट्रेड टेंशन कम होने की उम्मीदों की वजह से सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है.ट्रेड टेंशन कम होने के कारण सेफ हैवन गोल्ड की डिमांड में गिरावट आई है. जिसकी वजह से सोने के दाम कम हुए हैं. वैसे एमसीएक्स जून कांट्रैक्ट एक लाख के आंकड़े को नहीं छू सकता है, लेकिन अगस्त कांट्रैक्ट के दाम एक लाख रुपए पर पहुंच गए थे. वहीं दूसरी ओर देश की राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत मंगलवार को एक लाख के लेवल को पार कर गई थी, जिसमें जीएसटी का रेट शामिल नहीं है. इस तेज गिरावट के बाद सबसे बड़ा सवाल ये खड़ा हो गया है कि क्या अब गोल्ड की कीमतें 55 हजार के लेवल पर आएंगी या नहीं? आइए आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं.देश के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है. बुधवार को सोना 11 बजकर 15 मिनट पर 1800 रुपए की गिरावट के साथ 95,536 रुपए पर आ गए हैं. वैसे सुबह सोना करीब एक हजार रुपए की गिरावट के साथ 96,500 रुपए पर ओपन हुआ था. कारोबारी सत्र के दौरान गोल्ड की कीमतें करीब 1900 रुपए की गिरावट के साथ 95,457 रुपए के लोअर लेवल पर पहुंच गई.

वैसे अप्रैल के महीने में गोल्ड की कीमतों में अप्रैल के महीने में 4,700 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है. जोकि एक दिन पहले तक 8 हजार रुपए से ज्यादा का देखने को मिल रहा है.

क्या ओला को चुनौती देने आ रहा एथर का आईपीओ

नई दिल्ली .

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता एथर एनर्जी लिमिटेड का बहुप्रतीक्षित 2,626 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 28 अप्रैल को खुलेगा. यह चालू वित्त वर्ष (2025-26) का यह पहला बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने वाला सार्वजनिक निर्गम होगा.आईपीओ दस्तावेजों (आरएचपी) के अनुसार, एथर एनर्जी का तीन दिन का सार्वजनिक निर्गम 30 अप्रैल को बंद होगा और एंकर निवेशकों के लिए बोली, एक दिन के लिए, 25 अप्रैल को खुलेगी. प्रस्तावित आईपीओ 2,626 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 1.1 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश का संयोजन है.एथर एनर्जी का आईपीओ फाइनेंशियल ईयर का पहला आईपीओ है. आने वाले दिनों में रिलायंस जियो, वनेस्ट लिमिटेड, टैंकअप इंजीनियर, शिव फॉर्म, सीजे डार्कल लॉजिस्टिक के आईपीओ जल्द ही आ सकते हैं. आईपीओ में इंवेस्टमेंट के लिए आपके पास डीमैट अकाउंट होना जरूरी है. अगर आप डीमैट अकाउंट खोलना चाहते हैं तो इसके लिए आपके पास पैन कार्ड, आधार कार्ड होना जरूरी है, जिसके बाद आप डीमैट अकाउंट ओपन कर सकते हैं.

एलआईसी की न्यू जीवन शांति

> एक बार निवेश जीवनभर 1 लाख रुपये का लाभ

नई दिल्ली.

सभी लोग चाहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद उन्हें हर महीने कुछ पैसे मिलते रहे, जिससे उनके रोजाना के खर्च में कोई दिक्कत न आए. अगर आप भी ऐसी कोई स्कीम जानना चाहते हैं, जिसमें एक बार पैसा जमा करने के बाद आपको हर महीने एक निश्चित अमाउंट मिलता रहे तो यहां हम आपके लिए एलआईसी की न्यू जीवन शांति स्कीम की जानकारी लेकर आए हैं. इस स्कीम के जरिए आप एक बार पैसा जमा करके हर महीने कम से कम 1000 रुपए की पेंशन पा सकते हैं. एलआईसी इस स्कीम में सिंगल और जॉइंट दोनों तरह के प्लान पेश करती है.पहला प्लान डेफर्ड एन्युटी फॉर सिंगल लाइफ और दूसरा ऑप्शन है डेफर्ड एन्युटी फॉर जॉइंट लाइफ है. अगर आप 'डेफर्ड एन्युटी फॉर सिंगल लाइफ' वाले प्लान में इंवेस्ट करते हैं तो आपको डेफरमेंट पीरियड पूरा होने के बाद एक निश्चित रकम पेंशन के तौर पर मिलना शुरू हो जाएगी. साथ ही आपकी मृत्यु के बाद नॉमिनी को निवेश किया गया पैसा रिटर्न कर दिया जाएगा.'डेफर्ड एन्युटी फॉर जॉइंट लाइफ प्लान' अगर आप इसमें इंवेस्ट करते हैं तो डेफरमेंट पीरियड पूरा होने के बाद आपको पेंशन मिलना शुरू हो जाएगी और आपकी मृत्यु के बाद जिसके साथ आपने जॉइंट प्लान लिया है, उसे पेंशन मिलना शुरू हो जाएगी. वहीं जॉइंट लाइफ प्लान में अगर दोनों अकाउंट होल्डर की मृत्यु हो जाती है तो नॉमिनी को इंवेस्ट किया गया पैसा वापस कर दिया जाता है.

आपको बता दें इस स्कीम में पेंशन को आप सालाना, छमाही, तिमाही और मंथली बेस पर चुन सकते हैं.

रिटायरमेंट के बाद लाइफटाइम पेंशन : एलआईसी की न्यू जीवन शांति प्लान में आपको एक बार ही प्रीमियम देना होता है. यानी एक बार इस प्लान में पैसा इंवेस्ट करके आपको भूल जाना है और जैसे ही आपकी उम्र रिटायरमेंट की सीमा यानी 60 साल को पार करेगी तो आपको एलआईसी की ओर से हर महीने पेंशन मिलना शुरू हो जाएगी. इस स्कीम में आप सालाना एक लाख रुपए तक की पेंशन पा सकते हैं. वो भी लाइफटाइम के लिए.

टीकेएम ने जल प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता और जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल

नई दिल्ली.

इस'अर्थ डे' (पृथ्वी दिवस) के अवसर पर, जब दुनिया भर में 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' थीम के तहत एकजुटता दिखाई दे रही है, तो पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसी संदर्भ में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने पर्यावरणीय स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि की। कंपनी ने अपने पर्यावरणीय प्रयासों की घोषणा करते हुए कहा कि यह समर्पण उनके मूल्य प्रणाली का एक अहम हिस्सा है, जो न केवल विद्युतीकृत वाहन प्रौद्योगिकियों (xEVs) को प्रस्तुत करने में प्रेरित करता है, बल्कि अक्षय ऊर्जा को अपनाने और कार्बन तटस्थता की ओर बढ़ने के निरंतर प्रयासों का भी नेतृत्व करता है।

2015 में वैश्विक टोयोटा द्वारा घोषित पर्यावरण चुनौती 2050 के तहत टीकेएम ने छह प्रमुख पहलों को अपनाया है, जिनका उद्देश्य पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना है। इनमें शून्य सीओ2 उत्सर्जन (हरित गतिशीलता), जीवनचक्र शून्य उत्सर्जन, और पानी के उपयोग को न्यूनतम करना जैसे लक्ष्यों को प्राथमिकता दी गई है। इन पहलों के तहत कंपनी ने उत्पादन से लेकर आपूर्ति श्रृंखला और हरित लॉजिस्टिक्स तक कई स्तरों पर कार्य किया है। इसके अलावा, सभी उत्पादन प्रक्रियाओं में अक्षय ऊर्जा का उपयोग सुनिश्चित किया गया है, और सीओ2 उत्सर्जन में कमी लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।टीकेएम का 'ग्रीन वेव' प्रोजेक्ट विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिसमें मियावाकी विधि से 328,000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं और 790 से अधिक देशी पौधों की प्रजातियों के साथ जैव विविधता को बढ़ावा दिया गया है। कंपनी ने 40,000 से अधिक छात्रों को पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी है, जो सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को आत्मसात कर रहे हैं। यह पहल न केवल कंपनी की परिचालन प्रक्रिया को हरित बनाती है, बल्कि समुदाय में पर्यावरणीय जागरूकता को भी बढ़ावा देती है।

टीकेएम के भविष्य के लक्ष्यों में 2035 तक 'कार्बन-न्यूट्रल मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन' हासिल करना शामिल है। इसके तहत, ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने के साथ-साथ, कंपनी अपने मूल्य श्रृंखला में शामिल सभी पार्टनर्स जैसे डीलर्स, आपूर्तिकर्ता और लॉजिस्टिक भागीदारों के साथ सर्वोत्तम पर्यावरण प्रथाओं को साझा करती रहेगी। कंपनी का यह प्रयास भारत के ऊर्जा स्वतंत्र बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा, और स्वच्छ गतिशीलता समाधानों को सक्षम करेगा।

टीकेएम के ये प्रयास न केवल उनके विनिर्माण क्षेत्र में बल्कि पूरे समाज में पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद करेंगे, और यही कारण है कि कंपनी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने आईपीओ प्लान को रोका? क्यों आई यह नौबत?

नई दिल्ली.

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपनी भारतीय इकाई के आईपीओ (प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश) की योजना को अस्थायी रूप से रोक दिया है। कंपनी ने इस निर्णय को भारतीय शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से जोड़ा है। पहले, कंपनी ने रोड शो शुरू किया था और लगभग 15,000 करोड़ रुपये के आईपीओ की योजना बनाई थी, लेकिन वर्तमान में अनुमानित मूल्यांकन घटकर 10,500 से 11,500 करोड़ रुपये के बीच रह गया है।

एलजी ने कहा है कि आईपीओ की प्रक्रियाएं जारी हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बाजार की स्थितियों और उचित मूल्यांकन की संभावना पर निर्भर करेगा। कंपनी बाजार की स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रही है और रणनीतिक समय पर आईपीओ लॉन्च करने पर विचार करेगी।

यह कदम एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जैसा कि भारतीय ई-स्कूटर निर्माता एथर एनर्जी ने हाल ही में अपने शेयर बिक्री आकार और मूल्यांकन अपेक्षाओं को कम किया है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में उपभोक्ता उपकरणों के बाजार में व्हर्लपूल और सैमसंग जैसी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करती है, जो 2029 तक 12% वार्षिक वृद्धि की संभावना वाले क्षेत्र में हैं।वर्तमान में, कंपनी ने आईपीओ के लिए सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) से मंजूरी प्राप्त कर ली है, लेकिन बाजार की स्थिति में सुधार होने पर ही आईपीओ की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा।

इस स्थिति में निवेशकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे बाजार की अस्थिरता को समझें और निवेश निर्णय लेते समय सावधानी बरतें।

एचडीएफसी बैंक की कुर्सी पर संकट

नई दिल्ली.

एचडीएफसी बैंक ने 15 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप क्लब में एंट्री कर ली है। लेकिन देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक की कुर्सी खतरे में है। आईसीआईसीआई बैंक ने हाल के दिनों में हर मोर्चे पर बेहतर प्रदर्शन किया है और वह धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ समय से आईसीआईसीआई बैंक देश के प्राइवेट सेक्टर के बैंकों में सबसे आगे रहा है। उसने ऐसे समय शानदार प्रदर्शन किया है जब एचडीएफसी बैंक साल 2023 में एचडीएफसी के साथ हुए मर्जर की चुनौतियों से जूझ रहा है। इस मर्जर का असर बैंक की ग्रोथ पर पड़ा है। बुधवार को एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही जबकि आईसीआईसीआई बैंक तेजी के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 14,71,598.75 करोड़ रुपये रह गया जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 10,14,308.31 करोड़ रुपये पहुंच गया।फाइनेंशियल ईयर 2025 में आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 15% बढ़ा है जबकि एचडीएफसी बैंक का मुनाफा सिर्फ 11% बढ़ा है। इसी तरह दोनों बैंकों की नेट इंटरेस्ट इनकम की ग्रोथ एक बराबर 14 परसेंट रही। आईसीआईसीआई बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन भी बेहतर है। आईसीआईसीआई का नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.41% है जबकि एचडीएफसी का 3.65% है।आईसीआईसीआई बैंक ने लोन और जमा दोनों में 14% की ग्रोथ हासिल की है। वहीं, एचडीएफसी बैंक के लोन की ग्रोथ उसकी जमा की ग्रोथ से लगभग आधी रही है।

अंबुजा सीमेंट्स ने किसानों को दी टिकाऊ खेती की ताकत

जयपुर.

अंबुजा सीमेंट्स,जो अदाणी पोर्टफोलियो की एक प्रमुख सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी है, ने ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। राजस्थान के मुंडवा क्षेत्र में, धर्मेंद्र मुंडेल नामक एक किसान की प्रेरक यात्रा ने अंबुजा सीमेंट्स की सीएसआर पहलों द्वारा किए गए सहयोग को उजागर किया है। धर्मेंद्र, जो 12 सदस्यीय परिवार का पालन-पोषण करते हैं, ने अपनी कृषि विधि को परिवर्तित कर एक प्रेरक उदाहरण पेश किया। पहले वह मौसमी खेती करते थे, लेकिन अब वह साल भर खेती करने में सक्षम हैं। यह बदलाव अंबुजा सीमेंट्स की निरंतर मार्गदर्शन और नवाचार के माध्यम से हुआ है।

धर्मेंद्र ने अंबुजा सीमेंट्स का धन्यवाद करते हुए कहा, "मैं अंबुजा से बहुत खुश हूं क्योंकि इससे मुझे सिर्फ लाभ ही मिला है!" यह शब्द अंबुजा की पहल से प्रभावित कृषक समुदायों में हुए व्यापक बदलाव को दर्शाते हैं। मुंडवा बेल्ट में खेत तालाबों और सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों के उपयोग ने कई किसानों को जलवायु अनिश्चितताओं से निपटने में सक्षम बनाया है। प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और टिकाऊ जल समाधानों तक पहुंच के माध्यम से किसान अब अपनी आजीविका को सुरक्षित रखने और बेहतर कृषि परिणाम प्राप्त करने के लिए अधिक सुसज्जित हैं।

इस तरह की पहलों से अंबुजा सीमेंट्स न केवल किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है, बल्कि उन्हें एक स्थिर और टिकाऊ कृषि भविष्य की ओर भी मार्गदर्शन कर रहा है।

कृषि में नवाचार और जल प्रबंधन का प्रभाव

2023 में अंबुजा सीमेंट्स ने धर्मेंद्र के खेत में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया और 21.78 क्यूबिक मीटर का एक खेत तालाब बनवाया। यह तालाब जल संचय में मदद करता है और इसे 500-माइक्रोन पॉली शीट से लाइन किया गया था, जिससे पानी के रिसाव को रोका गया। इसके परिणामस्वरूप, सिंचाई की लागत में भारी कमी आई, और धर्मेंद्र ने सालाना लगभग 2 लाख रुपये की बचत की। इसके अलावा, पान मेथी कटर जैसे उपकरणों ने मैनुअल प्रयासों को कम किया और कटाई के बाद के नुकसान को भी घटाया। स्प्रिंकलर सिस्टम ने कुशल सिंचाई सुनिश्चित की, जिससे कृषि कार्य में अधिक दक्षता आई। इन सभी नवाचारों ने धर्मेंद्र को 15 से 30 बीघा भूमि पर खेती करने में सक्षम बनाया, जिससे उनकी वार्षिक आय 15-18 लाख रुपये तक पहुंच गई।

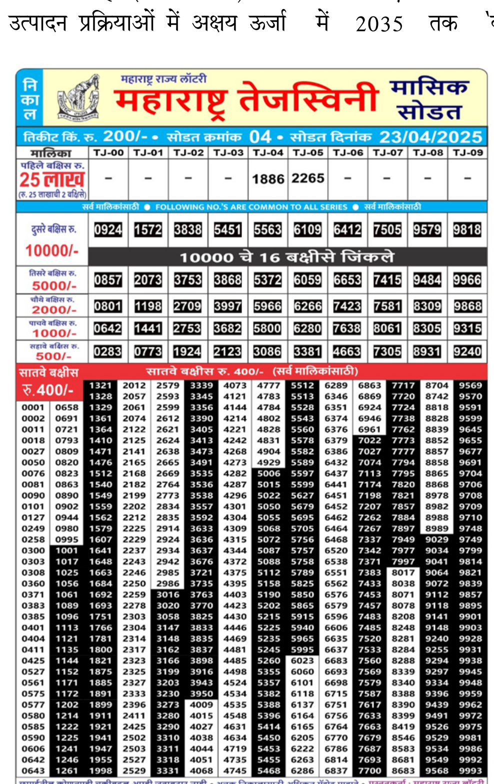

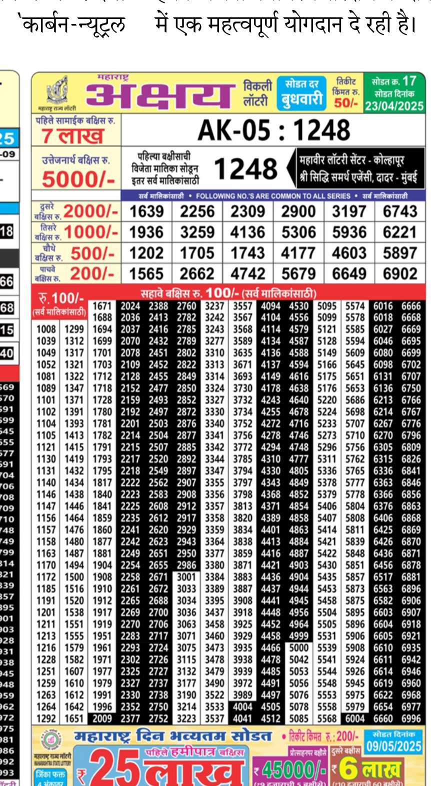

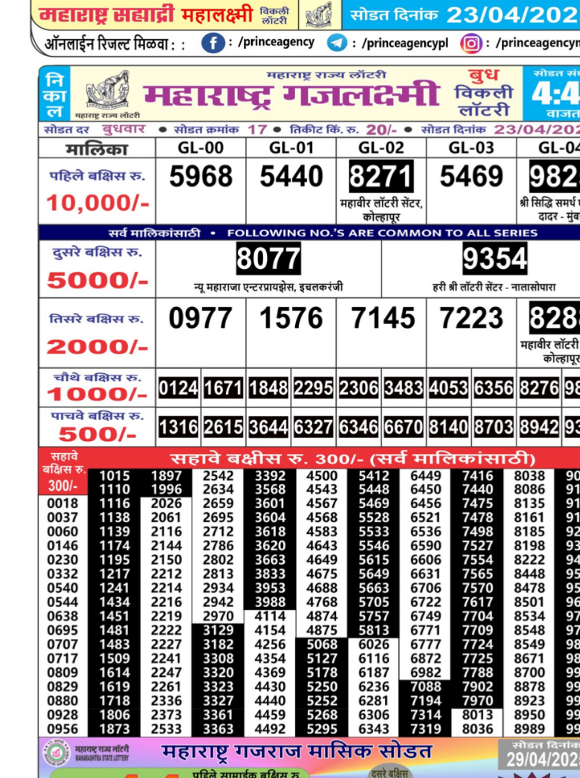

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

2 मई को मुंबई-नागपुर समृद्धी एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे पीएम

17 की जगह लगेंगे महज 8 घंटे

मुंबई.

देश का सबसे हाईटेक हाईवे पूरी तरह से वाहनों के लिए उपलब्ध होगा। मुंबई से नागपुर के बीच बने 701 किमी लंबे हाईवे में से 625 किमी का हाइवे पहले ही खोला जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 मई को मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे के अंतिम 76 किलोमीटर खंड-भिवंडी से इगतपुरी तक-का उद्घाटन करेंगे। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे का सबसे कठिन खंड बनकर तैयार हो गया है। भिवंडी में इगतपुरी और आमने गांव के बीच अंतिम चरण का निर्माण करना सबसे कठिन था, क्योंकि यह सह्याद्री के ऊबड़-खाबड़ इलाकों से होकर गुजरता है। मुंबई और नासिक के बीच यात्रा का समय एक घंटे तक कम हो जाएगा। अभी मुंबई से नासिक जाने में लगभग 3.5 घंटे का समय लगता है। लोग दो घंटे में मुंबई से नासिक पहुंच जाएंगे। इतना ही नहीं बिना ट्रैफिक में फंसे लोगों को स्मूथ यात्रा का आनंद मिलेगा। मुंबई के अंत में प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा चौकियां बनाई गई हैं। अधिकारी सड़क सुरक्षा अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए टायर जांच, वायु दबाव निगरानी और श्वास विश्लेषक परीक्षण करेंगे। इससे लोगों की यात्रा सुरक्षित हो सके। 62 लो-टेंशन बिजली लाइनों को स्थानांतरित करके, 6 प्रमुख केबलों को परिवर्तित करके और रेलवे के बुनियादी ढांचे के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत करके निर्माण चुनौतियों को दूर किया गया। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर ड्राइवर 100-120 किमी/घंटा की रफ्तार से गाड़ियां चल सकेंगी। मुंबई से नागपुर केवल 8 घंटे में पहुंच सकते हैं। पहले 16 से 17 घंटे लगते थे। आपातकालीन हेल्पलाइनों में 1800. 233. 2233, 8181818155 और एम्बुलेंस के लिए 108 शामिल हैं। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे 10 जिलों और 26 तालुकों और 392 गांवों में फैला हुआ है। मुंबई और नागपुर तक 14 अतिरिक्त जिलों की पहुंच में सुधार हुआ है।

6 लेन में बना 8 लेन तक विस्तार संभव

मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेस वे 6 लेन में बनाया गया है लेकिन भविष्य में 8 लेन तक इसका विस्तार संभव है. इस एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम स्पीड 120 किमी/घंटा होगी. इस एक्सप्रेसवे पर कुल 6 सुरंगें बनाई गई हैं. इनमें सबसे लंबी सुरंग कसारा घाट में स्थित है, जो दोहरी (ट्विन) सुरंग है. इसके अलावा, 33 बड़े पुल और 274 छोटे पुल बनाए गए हैं. इसके अलावा, मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सीसीटीवी सर्विलांस, इमरजेंसी हेल्पलाइन और रेस्ट एरिया जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं डेवलप की गई हैं. अच्छी बात है कि एक्सप्रेसवे पर ईवी चार्जिंग स्टेशन भी बनाए जा रहे हैं. इस एक्सप्रेसवे के पहले चरण (नागपुर से शिरडी तक) का शुभारंभ दिसंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था. अब इगतपुरी से आमाने तक का अंतिम चरण शुरू होने वाला है.

क्या है रूट

मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे नागपुर के शिवमाडका गांव से शुरू होकर मुंबई से सटे ठाणे जिले में खत्म होता है. यह महामार्ग महाराष्ट्र के 10 जिलों नागपुर, वर्धा, अमरावती, वाशिम, बुलढाणा, जालना, औरंगाबाद (अब संभाजीनगर), नाशिक, अहमदनगर और ठाणे से होकर गुजरता है.

12 साल के बच्चे का अपहरण

हत्या करने वाले 2 आरोपियों को बॉम्बे हाई कोर्ट से मिली जमानत

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट ने ठाणे के दो लोगों को जमानत दे दी है, जिन्होंने अपने एक दोस्त की मदद से 12 साल के पड़ोसी लड़के का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी, क्योंकि लड़का उनके दोस्त को नपुंसक कहता था। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन पक्ष के पास दोनों को अपराध से जोड़ने का कोई मकसद नहीं था। यह मामला ठाणे जिले के कुलगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, जिसमें पिछले साल 24 मार्च को 12 साल के लड़के के अपहरण और हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपी सलमान मौलवी, सफुआन मौलवी और अब्दुल मौलवी, सभी 20 साल के थे और पीड़ित इबाद बुबेरे के बगल में रहते थे. इबाद ने कथित तौर पर परिवार के कुछ बुजुर्गों से सफुआन के बारे में बातें सुनी थीं और इसलिए वह उसके बारे में यौन रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करता था. सफुआन ने इबाद को सबक सिखाने का फैसला किया और अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर उसे अगवा करने और उसकी हत्या करने की योजना बनाई. अपहरण के तुरंत बाद, बच्चे का मुंह बंद कर दिया गया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई. इसके बाद शव को एक बोरे में भरकर उसके घर के पीछे रख दिया गया था. हालांकि, तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और तब से वे सलाखों के पीछे हैं. उन्हें गिरफ्तार करने के बाद, पुलिस को पता चला कि आरोपी कुछ महीनों से हत्या की योजना बना रहा था और उसने इबाद के माता-पिता को फिरौती के लिए कॉल करने के लिए कई नकली सिम कार्ड लिए थे. सलमान और अब्दुल की जमानत याचिका पर अधिवक्ता एआर बुखारी और अशोक मुंदरगी ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष ने खुद कहा है कि दोनों ने अपराध करने में मुख्य आरोपी सफुआन की मदद की थी.

बांद्रा पुलिस स्टेशन के पास सड़क हादसा

मुंबई. महाराष्ट्र में मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन से सिर्फ 20–30 मीटर की दूरी पर एक डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी. डंपर चालक ने वाहन से नियंत्रण इस हद तक खो दिया कि डंपर का आगे का पहिया सीधे बाइक सवार पर चढ़ गया. इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई, जिसकी पहचान दिनेश जैन के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, दिनेश सांताक्रूज के निवासी थे और बांद्रा वेस्ट में जामा मस्जिद के पास एक कबाड़ की दुकान चलाते थे. घटनास्थल से उनकी दुकान कुछ ही मीटर की दूरी पर है. हादसे के समय वे दुकान की ओर जा रहे थे. परिजनों का कहना है कि पुलिस स्टेशन के पास सड़क के बीचों-बीच निर्माण कार्य चल रहा था और वहां गिट्टियां बिखरी हुई थीं. इसी वजह से दिनेश की बाइक अनियंत्रित हुई, जिसके बाद उनके पीछे से आ डंपर ने ठोकर मार दी. आसपास के लोगों ने तुरंत घायल दिनेश को भाभा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर बांद्रा पुलिस स्टेशन में डंपर चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी चालक की पहचान सिद्धार्थ कांबले (उम्र 26 वर्ष) के रूप में हुई है और दहिसर का रहने वाला है. घटना आस-पास के दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ, जिसमें दिखाई दे रहा है कि कैसे पूरी घटना हुई. पुलिस में डंपर जब्त कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है.

'हर दिन साथ खाते थे', अब नहीं लौटेगा अतुल

पहलगाम में जान गंवाने वाले रेलवे इंजीनियर के साथियों ने सुनाया किस्सा

मुंबई. मुंबई के परेल स्थित सेंट्रल रेलवे वर्कशॉप के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर अतुल मोने की मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान चली गई. उन्होंने दो महीने पहले कश्मीर यात्रा की योजना बनाई थी और उनके रिश्तेदार हेमंत जोशी और संजय लेले के परिवार भी उनके साथ यात्रा पर गए थे. अतुल मोने, संजय लेले और हेमंत जोशी को आतंकवादियों ने गोली मार दी, उनका धर्म पूछा और फिर उनके सिर और पीठ में गोली मार दी. इस खबर ने उनके सहकर्मियों और दोस्तों को सदमे में डाल दिया है. 43 वर्षीय मोने ठाणे जिले के डोंबिवली निवासी थे और परिवार व दोस्तों के साथ कश्मीर घूमने गए थे. मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे टीवी पर जब हमले की खबर चली, तो उनके साथ काम करने वाले राजेश नादर ने चिंतित होकर उन्हें कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. थोड़ी देर बाद मोने की मौत की पुष्टि होते ही पूरे वर्कशॉप में मातम छा गया. मोने के शोक-संतप्त सहकर्मियों के पास अब केवल एक प्रतिभाशाली और मिलनसार व्यक्ति की अच्छी यादें ही बची हैं. परेल स्थित सेंट्रल रेलवे के ब्रिटिशकालीन वर्कशॉप में बुधवार को माहौल गमगीन था, जहां अन्य दिनों में भी चहल-पहल रहती थी. बुधवार को मोने के सहकर्मियों और अन्य कर्मचारियों ने उनकी असामयिक मौत पर शोक जताया. वर्कशॉप के मेन एंट्री गेट के पास एक मेज पर फूलों से सजी मोने की तस्वीर रखी गई थी, जो उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए रखी गई थी. रेलवे कर्मचारी यूनियनों ने आतंकी हमले की निंदा करने और मोने को श्रद्धांजलि देने के लिए आसपास के इलाकों में बोर्ड लगाए. मौत की खबर सुनकर हम न तो खा पाए और न ही सो पाए, कैपथ ने कहा, 'मोने की मौत की खबर सुनकर हम न तो खा पाए और न ही सो पाए. हम रोज मिलते थे, एक-दूसरे से बात करते थे, साथ में खाना खाते थे और अचानक मौत ने उसे हमसे दूर कर दिया. यह अभी भी अविश्वसनीय है.' मोने के एक अन्य सहयोगी भूषण गायकवाड़ ने बताया कि उन दोनों की आखिरी बातचीत 14 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर हुई थी. गायकवाड़ ने कहा, 'रेलवे ने एक बेहतरीन इंजीनियर खो दिया है, क्योंकि वह काम में बहुत अच्छे थे और व्हील शॉप में अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करते थे.

एक सप्ताह के दौरे पर वीकेंड में कश्मीर गए थे

❐ थाने जिले के डोंबिवली के निवासी मोने (43) यहां रेलवे वर्कशॉप की व्हील शॉप में सीनियर सेक्शन इंजीनियर के तौर पर काम करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ एक सप्ताह के दौरे पर वीकेंड में कश्मीर गए थे. उनके सहकर्मी राजेश नादर ने न्यूज एजेंसी को बताया कि उन्हें मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे पहलगाम आतंकी हमले के बारे में पता चला, लेकिन उन्हें कभी नहीं लगा कि मोने भी पीड़ितों में से एक होंगे.

रात 8 बजे किया व्हाट्सएप कॉल

मोने का पता जानने के लिए नादर ने रात करीब 8 बजे उन्हें व्हाट्सएप कॉल किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, जिससे वह चिंतित हो गए. उन्होंने कहा, 'उस समय मैं उसके बारे में थोड़ा चिंतित हो गया था और उसके बाद 30 मिनट के भीतर टीवी चैनलों पर खबर आ गई.' उन्होंने कहा कि इसके बाद उन्हें मोने की मौत की जानकारी मिली और इस दुखद घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया. नादर ने कहा, 'वह एक अच्छा इंसान और प्रतिभाशाली इंजीनियर था. वह एक शांत और मिलनसार व्यक्ति भी था.' उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उसके सहकर्मी की ऐसी दुखद मौत होगी. रेलवे वर्कशॉप में एक अन्य इंजीनियर दीपक कैपथ ने कहा कि वह मोने के साथ पिछले नौ सालों से काम कर रहा था, जब से 2016 में उनके 30 इंजीनियरों के बैच को पदोन्नति मिली थी.

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ जलाए पाकिस्तान के झंडे

मुंबई. जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को लेकर देशभर में गुस्सा और शोक का माहौल है. मुंबई के कुरार इलाके में शिवसेना शिंदे नेता संजय निरुपम की अगुवाई में मृतकों को श्रद्धांजलि देकर लोगों ने पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और पाकिस्तान का झंडा जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया. पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता है. भारत में अशांति फैलाने की कोशिश करता है. पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर में हिंदू सैलानियों की पहचान कर चुन चुनकर मारा गया. शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने कहा, ''पाकिस्तान से कश्मीर में खुशहाली देखी नहीं जा रही है. निर्दोष हिंदुओं की आतंकियों ने मंगलवार को पहलगाम में हत्या की. अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान को इसका ऐसा जवाब दे, जिसे पाकिस्तान हमेशा के लिए याद रखे.'' शिवसेना शिंदे के प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे. साथ ही कश्मीर घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा मजबूत करे. इसके अलावा, देश के अलग-अलग शहरों में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ सुबह से विरोध प्रदर्शन जारी है. दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और जम्मू समेत कई शहरों में लोगों ने श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की. इतना ही नहीं, देश के हर कोने से लोग आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. दरअसल, मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 2 विदेशी नागरिक सहित 26 लोगो की मौत हो गई.

होटल स्टाफ ने बाहर निकलने से रोका तो बची जान

पहलगाम घूमने गए 5 लोगों के परिवार ने बताई आपबीती

बुलढाना.

महाराष्ट्र के बुलढाना जिले से कश्मीर घूमने गए एक पांच सदस्यीय परिवार की जान होटल के साहसिक कर्मचारियों की सतर्कता से बच गई. यह परिवार जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में ठहरा हुआ था, जब मंगलवार को वहां आतंकी हमला हुआ. बुलढाना निवासी निलेश जैन अपने परिवार के साथ तीन दिन का सोनमर्ग, गुलमर्ग और श्रीनगर का दौरा कर चुके थे और पहलगाम में दो दिन के लिए रुके थे. मंगलवार दोपहर वे होटल से बाहर स्थानीय स्थलों की सैर के लिए निकलने ही वाले थे, तभी होटल के मालिक और कर्मचारियों ने उन्हें रोका. उन्होंने बताया कि बाहर गोलीबारी चल रही है और माहौल बेहद तनावपूर्ण है. होटल स्टाफ की चेतावनी के बाद जैन परिवार ने होटल से बाहर न निकलने का फैसला किया. उसी दोपहर, पहलगाम के बैसरन इलाके में आतंकियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए. मृतकों में अधिकांश पर्यटक बताए जा रहे हैं. निलेश जैन ने एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, 'अगर होटल के स्टाफ ने समय रहते नहीं रोका होता, तो हम भी बाहर होते और शायद जान बचाना मुश्किल होता.

हम अब अपनी यात्रा जारी नहीं रखना चाहते. हमने सरकार से जल्द घर लौटने की व्यवस्था करने की अपील की है.' उनके भाई अरुण जैन, बुलढाना में पत्रकार हैं, उन्होंने बताया कि इस यात्रा में निलेश की पत्नी, बेटी और उनके दो बेटे भी साथ थे. परिवार 21 और 22 अप्रैल को पहलगाम में था और उसी दौरान यह दुखद घटना हुई. महाराष्ट्र के 3 लोगों की मौत, धर्म पूछकर मारी गोली, पहलगाम में हुए आतंकी हमले में डोंबिवली के तीन लोगों, अतुल मोने, संजय लेले और हेमंत जोशी की जान चली गई. पीड़ित परिवार के एक सदस्य ने बताया कि हमलावरों ने पुरुषों से पूछा, "आप हिंदू हो?" और फिर गोली मार दी. अतुल मोने को पेट में गोली मारी गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के सिर में गोली मारी गई.

सर्च ऑपरेशन जारी

❐ बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने चौकसी बढ़ा दी है और हमलावर आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं. इसी क्रम में सुरक्षाबलों को बारामूला जिले में एक बड़ी सफलता मिली है. नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों को भारतीय सेना ने मुठभेड़ में मार गिराया है. सेना ने बताया कि आतंकियों के पास से दो राइफल के अलावा भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य संदिग्ध सामान बरामद किया गया है. सुरक्षाबलों का यह अभियान क्षेत्र में संभावित खतरे को टालने और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है. सुरक्षा एजेंसियां अब अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं और पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है.

महाराष्ट्र चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं

राहुल गांधी के बयान को लेकर चुनाव आयोग ने जारी किए आंकड़े

मुंबई. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद मतदाता सूची और मतदान प्रक्रिया को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर भारतीय चुनाव आयोग ने जवाब दिया है। आयोग के स्पष्टीकरण के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया में कोई त्रुटि नहीं थी और चुनाव सभी कानूनी प्रावधानों के अनुसार आयोजित किए गए थे। चुनाव आयोग ने यह सफाई ऐसे वक्त पर जारी की है जब लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अपने विदेश दौरे में महाराष्ट्र चुनावों में गड़बड़ी का जिक्र करते हुए सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने इससे पहले दिल्ली में एमवीए के घटक दलों के नेताओं के साथ भी एक प्रेस कांफ्रेंस की थी। आयोग के अनुसार महाराष्ट्र में 6 करोड़ 40 लाख 87 हजार 588 मतदाताओं ने मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच हर घंटे औसतन 58 लाख मतदाता वोट डालते हैं।

आज का राशिफल

मेष – मेष राशि वालों की पुराने दोस्तों और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज आपकी लंबे समय के बाद करीबी दोस्तों से मिलने का मौका मिल सकता है।

वृषभ – वृषभ राशि के जातकों को आज कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लेना चाहिए। रिश्तों में नजदीकियां आएंगी।

मिथुन – व्यापार में विस्तार होगा। आज पार्टनरशिप या नए बिजनेस की शुरुआत करने के कई मौके मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कर्क – कर्क राशि के जातकों को जीवन में संतुलन बनाने पर फोकस करना होगा। ऑफिस में काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा।

सिंह – जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों के संकेत हैं। नौकरी-कारोबार में वातावरण अनुकूल रहेगा। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा।

कन्या– कन्या राशि वालों के प्रोफेशनल लाइफ में नए बदलाव होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धन आगमन के नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला – तुला राशि वालों के लिए अच्छा दिन है। पारिवारिक जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा। धन बचत करें और बेकार की चीजों पर पैसे खर्च करने से बचें.

वृश्चिक – लव लाइफ पर ध्यान दें। जीवनसाथी से अनबन के संकेत हैं। रिश्तों में बिना कारण तनाव बढ़ सकता है, लेकिन क्रोध से बचें।

धनु – निवेश से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। लॉन्ग टर्म गोल्स पर फोकस करें। करियर में तरक्की के नए मौके पर नजर रखें।

मकर– नए कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम दिन है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।सफलता प्राप्त करने के लिए किए गए प्रयास सार्थक साबित होंगे।

कुंभ – कुंभ राशि वालों को आज करियर में तरक्की के कई मौके मिलेंगे। ऊर्जा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी।

मीन – ऑफिस में कार्यों का दबाव बढ़ेगा। नए जिम्मेदारियों को सावधानी से संभालें। किसी भी कार्य को लेकर ज्यादा तनाव न लें।

जल संकट को लेकर शिंदे ने अधिकारियों से मांगी रिपोर्ट

मुंबई. महाराष्ट्र में गर्मी दिन-ब-दिन तेज हो रही है और इसी के साथ पानी की मांग भी बढ़ती जा रही है. इसको देखते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, किसी को भी पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना न पड़े. उन्होंने सभी जिलाधिकारियों, नगरपालिका प्रमुखों और प्रशासनिक अधिकारियों से अपील की है कि वे जमीनी हालात का खुद जायजा लें और जिन इलाकों में पानी की कमी है, वहां तत्काल आवश्यक कदम उठाएं. शिंदे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी विभागीय आयुक्तों, कलेक्टरों, सीईओ और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि हमें जुलाई के मध्य तक पानी की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करनी है. साथ ही उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि प्रत्येक जिले में कितने पानी के टैंकर चल रहे हैं, इसकी स्थिति स्पष्ट रखें और इसकी तुलना पिछले साल से करें. जिन जिलों ने अब तक जल संकट को लेकर कार्ययोजना नहीं सौंपी है, उन्हें दो दिन के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं.

ज़ाहिर सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री गजानन किसन निवासी महादुला, श्रीमती अनिता रमेश शेंडे और श्रीमती कलावती रत्नाकर कुंभारकर निवासी महादुला इनसे इनकी मालकियत एवं कब्जे की निम्नलिखित स्थावर मालमत्ता श्री एच. एम. पगाड़े इन्होंने खरीदने का सौदा किया है। मालमत्ता का विवरण : मौजा - महादुला, तहसील रामटेक, ज़िला नागपुर। खसरा नंबर 171, आराजी 0.80 खेत जमीन। उपरोक्त अचल संपत्ति पर किसी का भी, किसी भी प्रकार का कोई हक, करारनामा, बक्शीस पत्र, कर्ज बोझ हो तो यह ज़ाहिर सूचना प्रकाशित होने 7 दिन के अंदर मूल दस्तावेंजो के साथ निम्नलिखित पते पर संपर्क करें। अवधि बीत जाने के पश्चात किसी का किसी भी प्रकार का आक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा।

दिनांक 23 अप्रैल

एच. एम. पगाड़े
प्लॉट नं 17, ओमनगर,
रणाला, कामठी

▶ पान पॅलेस, गोडाऊन, ऑफिस, सावजी भोजनालय, नाश्ता सेंटर, चिकन अॅन्ड फिश फ्राय सेंटर अन्य के लिए किराया से देना हैं.

▶ रेडी पझेशन कॉर्नर कॉम्प्लेक्स, ग्राऊंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर, सेकंड फ्लोर और रूफ टॉप, 32 A स्वराज टॉवर, खरबी चौक रिंग रोड, पायल वाईन शॉप के बाजु में, नागपूर-440034.

संपर्क (मो. 9673498955)

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर
अलग-अलग प्रकार के फेशियल
थ्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी
हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर
मॅनीक्यूर-पेडिक्यूअर • स्कीन ट्रिटमेंट
हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग
पींपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर
मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स
यहाँ ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं।
अल्का व्हि. लाडे
9373108897 / 9373531205
प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
• Vocal Classical Singing
• Light Music (with Karaoke)
• Zumba
• Yoga
• Crochet
• Macrame
• Drawing
• Paper Crafts
<: Contact :>
Mob - 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 19 मे शिमला मनाली
• 2 जून केरल कन्याकुमारी रामेश्वरम
• 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन
• 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्रा
• 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान
संपर्क
आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor
AU Avani Udyog
(MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY
Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
» STUDENTS » TEACHERS » HOUSEWIVES » JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

लक्ष्य के आधे रास्ते पर जाकर कभी वापस न लौटें
क्योंकि वापस जाने पर भी आधा रास्ता पार करना पड़ता है.

संपादकीय

दोनों का हो फायदा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का दौरा भारत के लिए एक बड़ा मौका है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत की रूपरेखा तय कर ली है। भारत में अमेरिका अपनी कंपनियों के लिए पूरी तरह मुक्त बाजार चाहता है। लेकिन नई दिल्ली को अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्ते को आगे बढ़ाते हुए यह भी ख्याल रखना होगा कि उसका अपना हित प्रभावित न हो।अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने में भारत को भले न बख्शा हो, लेकिन चीन, वियतनाम, बांग्लादेश जैसे देशों की तुलना में नरमी जरूर दिखाई। चीन के 245% के मुकाबले ट्रंप ने भारत पर 26% टैरिफ लगाया और इसे भी 90 दिनों के लिए रोक दिया है। टैरिफ के इसी अंतर को कई एक्सपर्ट भारत के लिए बड़ा मौका बता रहे हैं। इस बुधवार से वॉशिंगटन में ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर दोनों देशों के वार्ताकार आमने-सामने बैठेंगे। इससे पहले वेंस की यात्रा बातचीत के लिए पॉजिटिव माहौल बनाने में मदद करेगी।ट्रंप अपने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' कैंपेन को लेकर बहुत आक्रामक हैं। उनके प्रशासन का कहना है कि ट्रेड डील के जरिये अमेरिका व्यापार में संतुलन कायम करना चाहता है। लेकिन, इस संतुलन की एवज में जो मांगें की जा रही हैं, उन्हें भारत पूरी तरह स्वीकार नहीं कर सकता, मसलन- अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए बाजार खोल देना।देश के उपभोक्ताओं, दुकानदारों-व्यापारियों से जुड़ी कुछ चिंताएं हैं, जिन्हें भारत को अमेरिका के सामने रखना होगा। भारत में बड़ी संख्या में छोटी दुकानों से लोगों को रोजगार मिला हुआ है, इसलिए परंपरागत रूप से ये लोग दिग्गज अमेरिकी ईकॉमर्स कंपनियों के विरोधी रहे हैं। इन दुकानदारों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए केंद्र सरकार ने ईकॉमर्स से संबंधित नियमों में पहले बदलाव भी किए थे।इसके साथ अमेरिका अगर कृषि उत्पादों, मीट प्रॉडक्ट्स को लेकर भारत पर दबाव बनाता है तो भारतीयों हितों को संरक्षित रखना होगा। भारत में कृषि क्षेत्र राजनीतिक रूप से भी बहुत संवेदनशील है। इस तरह के मामलों में भारत को अपना रुख समझाना होगा। आज ट्रंप टैरिफ को लेकर भले ही चीन-भारत समेत दुनिया पर दबाव बना रहे हैं, लेकिन उन्हें दोस्त की भी जरूरत है। उनके लिए भारत, चीन का विकल्प हो सकता है। भारत और अमेरिका ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। द्विपक्षीय समझौते से इसकी जमीन तैयार की जा सकती है।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 एक सामाजिक सुधार है न कि धार्मिक विवाद

प्रो बंदिनी कुमारी
लेखिका समाज शास्त्र की प्रोफेसर हैं और उत्तर प्रदेश के डिग्री कॉलेज में कार्यरत हैं

वर्तमान समय में वक़्फ़ संशोधन अधिनियम को लेकर भारतीय राजनीति और मुस्लिम समुदाय क्रिया प्रतिक्रिया के दौर से गुज़र रहे हैं। एक राष्ट्र के रूप में भारत के समक्ष ये चुनौतियां है कि देश के भीतर मौजूद आर्थिक और भू-परिसंपत्तियों के मालिकाना हक़, उनके ख़रीद-फरोख्त ,लीज के विधान इत्यादि से संबंधित प्रक्रियाएँ पारदर्शी हों और यदि इनमें किसी भी प्रकार का कोई वाद-विवाद हो तो संविधान सम्मत तरीक़े से क़ानून बनाकर या कानूनों में संशोधन करके उसका निपटारा किया जाए लेकिन ये मुद्दे तब जटिल हो जाते है जब इन विषयों के साथ धार्मिक आकांक्षाएँ जुड़ जाती है। गौर तलब है कि वक़्फ़ एक अरबी शब्द है जिसका अर्थ होता है ख़ुदा के नाम पर अर्पित वस्तु /संपत्ति; चाहे वह चल हो या अचल, मूर्त या अमूर्त, ख़ुदा को इस आधार पर दान करना ताकि अंतरण से जरूरतमंदों को लाभ हो सके। वक्फ से होने वाली आय आमतौर पर शैक्षणिक संस्थानों, कब्रिस्तानों, मस्जिदों और आश्रय गृहों को निधि देती है।

भारत में वक्फ को वक्फ अधिनियम, 1995 द्वारा विनियमित किया जाता है। जल्द ही संसद में वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिये वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया जायेगा। ये संशोधन विधेयक वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिये वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास कर रहा है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जाँच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है।

दिलचस्प बात यह है कि संशोधनों का गहन विश्लेषण बताता है कि इन परिवर्तनों का उद्देश्य किसी धार्मिक समुदाय को लक्षित करना नहीं है, बल्कि वक्फ बोर्डों के भीतर जवाबदेही को सुव्यवस्थित और सुनिश्चित करना है। चूँकि धर्म अक्सर मुद्दे की योग्यता की जाँच किए बिना लोगों के बीच भावनाओं को सामने लाता है, इसलिए यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि वक्फ संशोधन एक धार्मिक संघर्ष नहीं है, बल्कि भ्रष्टाचार से निपटने और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक आवश्यक सामाजिक सुधार है। पवित्र कुरान में वक्फ की अवधारणा का इस्लामी शरिया में कोई विशेष उल्लेख नहीं है। इसके बजाय, कुरान विशेष रूप से वक्फ बोर्ड जैसी संस्थाओं का नाम लिए बिना दान और उदारता के कार्यों पर जोर देता है। कुरान की कई आयतें दान देने के महत्व पर जोर देती हैं, लेकिन संस्था के रूप में वक्फ की स्थापना का कोई संदर्भ नहीं देती हैं। उदाहरण के लिए: "जब तक आप अपनी प्रिय चीज़ों में से कुछ दान नहीं करते, तब तक आप कभी भी धार्मिकता प्राप्त नहीं कर सकते। और जो कुछ भी आप देते हैं, वह निश्चित रूप से अल्लाह को अच्छी तरह से पता है।" (सूरह अली 'इमरान: 92), "जो लोग अल्लाह के मार्ग में अपना धन खर्च करते हैं और अपने दान के बाद अपनी उदारता या आहत करने वाले शब्दों की याद नहीं दिलाते- उन्हें अपने रब से इसका प्रतिफल मिलेगा।"

(सूरह अल-बक़रा: 262)। आयतों की गहरी समझ से यह स्पष्ट होता है कि एक प्रशासनिक संस्था के रूप में वक्फ सदियों में विकसित हुआ और इसे ईश्वरीय आदेश के बजाय सांस्कृतिक और सामाजिक प्रथाओं द्वारा अधिक आकार दिया गया। वक्फ संशोधन विधेयक पर पूरी तरह से धार्मिक लेंस लगाना भ्रामक और प्रतिकूल दोनों है। इसके अतिरिक्त, हनफ़ी न्यायशास्त्र के तहत, जिसका अधिकांश भारतीय मुसलमान पालन करते हैं, मुतवल्ली (वक्फ प्रशासक) के लिए मुस्लिम होना अनिवार्य नहीं है। प्रसिद्ध इस्लामी मदरसा दारुल उलूम देवबंद ने अपने फतवा नंबर 34944 में स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ मामलों में पारंगत, ईमानदार और सक्षम व्यक्ति वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन कर सकता है, चाहे उनका धार्मिक जुड़ाव कुछ भी हो। यह दृष्टिकोण वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के विरोध के आधार को समाप्त करता है।

मुतवल्ली की भूमिका मूल रूप से प्रशासनिक होती है, जो यह सुनिश्चित करता है कि संसाधनों का कुशलतापूर्वक और निष्पक्ष रूप से उपयोग किया जाए- ऐसा कार्य जिसके लिए किसी धार्मिक योग्यता की आवश्यकता नहीं होती है। सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य मौजूदा वक्फ अधिनियम में संरचनात्मक खामियों को दूर करना है, जैसे किसी भी भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित करने से पहले गहन और पारदर्शी सत्यापन प्रक्रिया सुनिश्चित करके संपत्तियों का सत्यापन करना; निष्पक्ष सुनवाई और समाधान सुनिश्चित करने के लिए विवादित संपत्तियों में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति देकर न्यायिक निगरानी के माध्यम से; महिलाओं और विविध पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से शामिल करने सहित बोर्डों में प्रतिनिधित्व बढ़ाकर वक्फ बोर्डों का पुनर्गठन करना और सत्ता के दुरुपयोग से बचने के लिए वक्फ बोर्डों को अनियंत्रित अधिकार प्रदान करने वाले कुछ खंडों को निरस्त करके मनमानी शक्तियों पर अंकुश लगाना। वक्फ संशोधन विधेयक को धार्मिक विवाद के रूप में प्रस्तुत करना न केवल जवाबदेही के मूल मुद्दे को पटरी से उतारता है बल्कि अनावश्यक सांप्रदायिक दरार भी पैदा करता है। वक़्फ़ संशोधन अधिनियम और इन जैसे तमाम मुद्दे जिनका जुड़ाव अल्पसंख्यक नृजातीय एवं धार्मिक समूह की आकांक्षाओं से है वे अक्सर भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के समक्ष चुनौती पेश करते है क्योंकि संवैधानिक लोकतंत्र होने के नाते ये मुल्क की सामूहिक जिम्मेदारी है कि अल्पसंख्यकों को मिले वैधानिक अधिकारों और आकांक्षाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाय।

लेकिन इन सबके बीच यह भी देखना होगा कि धार्मिक मौलिक अधिकारों की आड़ में निहित स्वार्थी कट्टरपंथी समूह अपने कुत्सित एजेंडे को तो आगे नहीं बढ़ा रहे ।जहाँ तक वक़्फ़ अधिनियम में संशोधन का सवाल है तो ऊपर के विश्लेषण से यह विदित है कि मुस्लिम समाज के किसी भी पवित्र ग्रंथ में इससे संबंधित किसी भी प्रकार के प्रमाण नहीं मिलते। वक़्फ़ जैसी संस्था सेक्युलर है और इसका मुस्लिम समाज से सीधा कोई संबंध नहीं है। मुल्क के अलग अलग हिस्सों से वक़्फ़ बोर्ड से जुड़ी लगातार आ रही भ्रष्टाचार, कदाचार, अतिक्रमण और अपारदर्शिता की घटनाएँ यह माँग करती है कि बदलते समय के अनुसार युक्तियुक्त बदलाव इस संस्था के वैधानिक स्वरूप में आना चाहिए।

लघुकथा

अशोक मिश्र

जमूरा

डम डम डम... मदारी के डमरू बजाते ही बच्चे, बड़े, बूढ़े सभी अपने अपने घरों से निकल कर जमा हो गए। मदारी ने जमूरे को तमाम इशारे किया परन्तु उस मरियल जमूरे पर कोई असर नहीं हुआ। तब मदारी ने जमूरे का कान उमेठा फिर भी कोई हरकत नहीं। अब मदारी ने चाबुक उठा लिया और सटाक, सटाक दो लगाये और जमूरा अस्तित्व की रक्षा के लिए मदारी के डमरू के आवाज़ के साथ कदम ताल करने लगा, अनमने ढंग से ही सही, करतब दिखाने लगा उसने तरह तरह से दर्शकों का मनोरंजन करने का प्रयास किया। उछला, कूदा, नाचा, गाया आदि पर कठोर दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान तक नहीं आयी। अंत में मदारी ने जमूरे को कटोरा पकड़ा दिया जिसे लेकर वह हरेक के सामने गया, दाँत निपोरा, पाँव छुआ लेकिन एक फूटी कौड़ी नहीं गिरा उसके कटोरे में धीरे-धीरे सभी लोग वहाँ से चले गए अपने अपने घर। मदारी और जमूरा एक दूसरे को देखे, दोनों हाथ उठा कर सूने आसमान की ओर देख कर कुछ बुदबुदाए और थस्स से ज़मीन पर बैठ गए, गहरी सोच में डूब गए ।फिर लंबी सांस लेकर मदारी ने कहा उठो जमूरे, चलो कहीं और चलते हैं।

आस्था

आखिर भगवान परशुराम ने 21 बार क्यों किया था धरती को क्षत्रिय विहीन

भगवान परशुराम को विष्णु जी का छठवा अवतार माना जाता है. शास्त्रों के अनुसार भगवान परशुराम कलयुग में भी जीवित है. वहीं वैशाख मास की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया के साथ-साथ परशुराम जयंती भी मनाई जाती है. वहीं इस बार परशुराम जयंती बुधवार, 30 अप्रैल 2-25 को मनाई जाएगी. भगवान परशुराम एक ऐसे देवता हैं जिन्हें क्रोध बहुत ही जल्दी आता है. कहते हैं कि भगवान परशुराम ने क्रोध में आकर 21 बार क्षत्रियों का संहार किया था. लेकिन सवाल यह उठता है कि भगवान परशुराम को ऐसा क्यों करना पड़ा आखिर इसके पीछे की वजह क्या थी. पुराणों के अनुसार, परशुराम का मूल नाम राम था, लेकिन जब भगवान शिव ने उन्हें अपना परशु नामक अस्त्र प्रदान किया शिवजी द्वारा प्रदत्त परशु धारण किए रहने के कारण वे परशुराम कहलाए. पौराणिक कथाओं के अनुसार भवगान विष्णु ने परशुराम के रूप में छठवां अवतार, मदांध सहस्त्रबाहु को सबक सिखाने के लिए लिया था. महिष्मती नगर के राजा सहस्त्रार्जुन क्षत्रिय समाज के है. इस वंश के राजा कार्तवीर्य और रानी कौशिक के पुत्र थे. सहस्त्रार्जुन का वास्तवीक नाम अर्जुन था. उन्होने भगवान दत्तात्राई को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की. दत्तात्राई उसकी तपस्या से प्रसन्न हुए और उसे वरदान मांगने को कहा तो उसने दत्तात्राई से 10000 हाथों का आशीर्वाद प्राप्त किया.

रमेश कृष्णराव लांजेवार

सभी के लिए मुफ्त शिक्षा मराठी स्कूलों में बदलाव की दिशा

मुझे समझ नहीं आ रहा कि राज्य में क्या हो रहा है। कभी भाषा का मुद्दा होता है तो कभी धर्म के नाम पर गरमा गरम बहसें होती हैं। इससे सभी राजनेताओं को बात करने और राजनीति करने के लिए काफी समय मिलता है, और उनके राजनीतिक एजेंडे को बढ़ावा मिलता है। लेकिन आम आदमी, गरीब और किसान इससे प्रभावित होंगे, उनका क्या? राज्य में कई जटिल समस्याएं हैं। राज्य में महंगाई, पेयजल समस्या, स्वास्थ्य समस्या, मूलभूत समस्याएं, जलवायु परिवर्तन के कारण किसानों को हो रहा नुकसान, किसानों की आत्महत्या, बेरोजगारी की समस्या, वृक्षारोपण आदि अनेक गंभीर समस्याएं हैं। सरकार को इन पर ध्यान दिए बिना नए-नए मुद्दे उठाकर आम जनता, गरीबों और किसानों को गुमराह नहीं करना चाहिए। पक्ष और विपक्ष हिंदी भाषा की अनिवार्यता के मुद्दे पर बात करने के बजाय अंग्रेजी भाषा को खत्म करने की जरूरत पर बात क्यों नहीं कर रहे हैं? आज राजनीतिक नेताओं के बच्चे बड़े उत्साह से अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ते हैं और बड़े स्वाभिमान से कहते हैं कि मेरा बेटा या बेटी इस स्कूल में या उस स्कूल में पढ़ रहा है और सबसे बड़ी बात यह है कि इस बात पर कोई ध्यान नहीं देता कि अंग्रेजी की धूम से उनके रिश्तों में जहर घुल चुका है।

ऐसा लगता है कि माता-पिता, चाची-चाचा, चाचा-चाची, दादा-दादी जैसे शब्द विलुप्त होते जा रहे हैं। क्योंकि अब जब अंग्रेजी राज्य की भाषा बन गई है, तो मम्मी-पापा, चाचा-चाची, दादा-दादी जैसे शब्द दिमाग में आते हैं, तो सरकार इस बात पर ध्यान क्यों नहीं देती कि जब मराठी और हिंदी का कोई विवाद नहीं है, तो अंग्रेजी नंबर एक लगती है! जब राजनीतिक नेता और पूंजीपति वर्ग अपने बेटे-बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजते हैं, तो राजनीतिक नेता अंग्रेजी कैसे बोल सकते हैं? सरकार को यह याद रखना चाहिए कि हमारी मातृभाषा मराठी है क्योंकि हर कोई जन्म से ही इसे जानता है। सवाल यह है कि क्या राज्य और देश को पता है कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा है? फिर राज्य में हिंदी की अनिवार्यता कहां से आ गई? राज्य में शुरू से ही हिंदी को अनिवार्य बनाना मातृभाषा की जड़ों को नुकसान पहुंचाने के समान होगा। शिक्षा के मामले में भाषा के संबंध में अब तक जो नीति चली आ रही है, उसे जारी रखा जाना चाहिए तथा उसमें कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। अगर सरकार शिक्षा के संबंध में नीति बनाना चाहती है तो उसे सभी अंग्रेजी स्कूलों में मराठी भाषा को अनिवार्य बनाना चाहिए और इस संबंध में सभी स्कूलों का ऑडिट कराना चाहिए।आज मुंबई महाराष्ट्र की राजधानी और देश की उप राजधानी है। यह देश की औद्योगिक राजधानी भी है। यहां हर दिन करोड़ों रुपए का कारोबार होता है। हालांकि, सभी जानते हैं कि वहां उच्च पदस्थ अधिकारी, मशहूर हस्तियां और राजनीतिक नेता अंग्रेजी भाषा का उपयोग करते हैं और हम इसे हर दिन सोशल मीडिया पर देखते हैं। तो फिर वे मुस्कुरा क्यों नहीं रहे हैं? हम इस भूमि में पैदा हुए हैं, हम गर्व के साथ मराठी बोलते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन राज्य में प्रवासी लोग व्यवसाय कर रहे हैं, सरकार ने शुरू से ही हिंदी को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया था। लेकिन राज्य में भारी विरोध को देखते हुए सरकार ने यह फैसला वापस ले लिया। लेकिन सरकार को ऐसे गलत फैसले क्यों लेने चाहिए! जिससे मराठी लोगों को ठेस पहुंचेगी। सरकार को सबसे पहले सरकारी स्कूलों और अस्पतालों पर ध्यान देना चाहिए और उनमें सुधार करना चाहिए, और यह बहुत अच्छा होगा यदि पक्ष और विपक्ष के राजनीतिक नेता एक कदम आगे बढ़कर अपने बच्चों को शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों में भेजें। क्योंकि इससे सरकार का ध्यान जाति के आधार पर सरकारी स्कूलों पर केन्द्रित हो जाएगा। यदि सरकार शिक्षा प्रणाली में बदलाव करना चाहती है तो उसे सबसे पहले निजी कोचिंग कक्षाओं के बाजार को बंद करना चाहिए और उन पर नकेल कसनी चाहिए। इसी प्रकार यदि सरकार निजी स्कूल-कॉलेजों द्वारा हर वर्ष फीस वृद्धि कर शिक्षा बाजार पर लगाम लगाए तो निश्चित रूप से प्रदेश की 13 करोड़ जनता का कल्याण होगा। अतः सरकार को चाहिए कि वह भ्रामक या गलत निर्णय न लेकर निःशुल्क शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए तथा महंगाई के विकराल रूप पर नियंत्रण एवं अंकुश लगाकर गरीब एवं आम लोगों को राहत प्रदान करे। बदलते मौसम के कारण देश और प्रदेश में सूरज तप रहा है और देश में सबसे गर्म शहर की तुलना नागपुर यानी महाराष्ट्र से की गई है। इसके लिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह शिक्षा के माध्यम से वृक्षारोपण को अनिवार्य बनाए। इसका सभी स्तरों पर स्वागत होगा तथा सभी लोग इसका खुशी-खुशी पालन करेंगे और इससे मानव, पशु तथा सम्पूर्ण सृष्टि को लाभ होगा।

समीक्षा

डॉ. सीमा शर्मा

खिड़कियों से झांकनी आंखें

इस कहानी में कई आयाम हैं। एक ओर अपनी जड़ों से कटकर स्वयं को कहीं और स्थापित करना। अपनी जड़ें ज़माने और वहीं रच-बस जाने के बाद आप ही की तरह आपकी अगली पीढ़ी कहीं किसी देश में अपनी दुनिया बसा लेती है। अब आप नितांत अकेले हो जाते हैं, इसलिए एक बार पुनः अपने देश लौटने की चाह उत्पन्न होना स्वाभाविक है लेकिन तब वहाँ आपके पास कोई स्थान शेष नहीं रह जाता। यह ऐसा ही है जैसे किसी पौधे को निकाल कर कहीं और रोप दिया जाये तो कुछ समय के बाद वहाँ उस पौधे के लिए कोई स्थान शेष नहीं रह जाता। ऐसा भी हो सकता है कि उस पौधे के स्थान पर कोई और पौधा उगे एवं वृक्ष बन जाये। "डॉ. मलिक देश की धरती में लगे पौधे को उखाड़कर हमने विदेश की धरती में बो दिया। पहले पहल उसे बहुत मुश्किलों का सामना करना पढ़ा, फिर धरती और पौधे दोनों ने एक दूसरे को स्वीकार कर लिया जब पौधा वृक्ष बन गया तो हमने उसे उखाड़ कर फिर पुरानी धरती में लगाने ले गए। जिन रिश्तों के लिए पौधा विदेश में वृक्ष बना, उन्हीं रिश्तों ने स्वार्थ की ऐसी आँधी चलाई की वृक्ष के सारे पत्ते झड़ गए, टुंड-मुंड हो गया वह। पुरानी धरती और टुंड-मुंड हुए वृक्ष ,दोनों ने एक दूसरे को स्वीकार नहीं किया और रोप दिया हमने विदेश की धरती पर वह वृक्ष एक बार फिर। इस धरती ने उसे पहचान लिया और सीने से लगा लियासुधा ओम ढींगरा की कहानियों में यह बात बार-बार उभर कर सामने आती है कि स्वदेश में रहने से सब बहुत अच्छे और विदेश में रहने से बुरे नहीं बन जाते।

न ही उन संस्कारों को भूलते हैं जो उन्हें परिवार और समाज से मिले और जो भूल जाते हैं या स्वार्थी बन जाते हैं, ऐसे अपवाद कहीं भी हो सकते हैं। किसी के व्यक्तित्त्व निर्माण में देश विशेष का प्रभाव तो अवश्यंभावी है, लेकिन और भी अनेक कारक हो सकते हैं। समीक्ष्य संग्रह की दूसरी कहानी 'वसूली' में ऐसे ही एक विषय को उठाया गया है। 'वसूली' कहानी सत्तर के दशक से नब्बे के दशक तक जाती है, इसमें लेखिका ने हरि और सुलभा के माध्यम से दिखाने का प्रयास किया है कि प्रवासी भारतीय ; अपनी भारतीयता, देश और परिवार से कितना लगाव रखते हैं, जबकि भारत में रहने वाले कितने भारतीय ऐसे हैं जिन के लिए उनका स्वार्थ सर्वोपरि है। शंकर और उमा को उस मनोवृत्ति के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है। हरि मोहन अमेरिका में रहकर भी अपने परिवार को सुखी और प्रसन्न देखना चाहता है। विदेश जाकर बसने के पीछे भी यही कारण था लेकिन हरि के लिए जो सच्चाई थी, शंकर के लिए वह निरी भावुकता। शंकर के शब्दों में " हरि, तुम शुरू से ही भावुक थे, विदेश जाकर तो भावनात्मक बेवकूफ बन गए हो। "हरि के लिए शंकर का यह व्यवहार आश्चर्यजनक था, तभी तो वह कहता है- कहाँ गई आपकी मर्यादा! कहाँ गया आपका संस्कार!

बाल कहानी

हरीश कुमार

सबसे अच्छी मम्मी

अक्षय चौथी कक्षा में पढ़ता था। पढ़ाई में अच्छा था, पर शरारतें भी ख़ूब करता था। अपनी शरारतों से वह बाज़ नहीं आता था, चाहे जितना भी समझा लो। किसी-न-किसी शरारत की योजना उसके दिमाग़ में हमेशा कुलबुलाती ही रहती। न जाने कैसे उसे नई-नई शरारतें सूझ जाती थीं। उसकी शरारतों की सबसे ज़्यादा शिकार उसकी मम्मी ही बनती थीं। अपने पापा से तो वह बहुत डरता था और उनसे कोई शरारत करने की हिम्मत कर नहीं पाता था।

पापा तो वैसे भी सारा दिन ऑफिस में ही होते थे, मगर मम्मी घर में ही होती थी। शरारतें भी बड़ी अनोखी होती थीं अक्षय की। स्कूल जाने से पहले किसी दिन वह घर की चाबियाँ कहीं छुपा देता। पापा के ऑफिस चले जाने के बाद घर के काम पूरे करके किसी काम से मम्मी को जब बाज़ार जाना होता, तो चाबियाँ न मिल पाने के कारण वे घर के ताले लगाकर बाजार भी न जा पातीं। कभी वह घर के मुख्य दरवाज़े पर लगानेवाले पीतल के बड़े ताले को ही कहीं छुपा देता। अब चाबियाँ होने पर भी मम्मी घर को ताला लगाकर बाज़ार न जा पातीं। कभी वह दोपहर

को स्कूल से आने पर पेट दर्द का बहाना बनाता। फिर जब मम्मी उसके पेट दर्द के लिए कुछ इलाज करने की तैयारी करने लगतीं, तो वह अपने बिल्कुल ठीकठाक होने की बात कहकर बहुत हँसता। किसी दिन वह मम्मी के टूथपेस्ट का ढक्कन खोलकर थोड़ा-सा टूथपेस्ट निकालकर वहाँ नमक डाल देता और उसके ऊपर निकाला हुआ टूथपेस्ट भर देता। बाद में मम्मी जब टूथपेस्ट करतीं, तो उस नमक के मारे उनकी हालत ख़राब हो जाती।

दोपहर के समय मम्मी जब थोड़ी देर के लिए झपकी ले रही होतीं, तो वह कभी-कभी उनके मोबाइल फ़ोन में दो मिनट बाद का अलार्म लगा देता। फिर जब अलार्म बजता तो मम्मी हड़बड़ाकर उठ जातीं। तब वह तालियाँ बजा-बजाकर हँसने लगता। मम्मी अक्षय को बहुत समझातीं कि वह इतनी शरारतें न किया करे, लेकिन ऐसी बातें वह एक कान से सुनता और दूसरे से निकाल देता। अक्षय की शरारतें होती भी ऐसी नई-नई थीं कि आमतौर पर यह पता ही नहीं चलता था कि उसकी किस बात में क्या शरारत छुपी होगी। मगर इस सब के बावजूद मम्मी अक्षय से कभी नाराज़ नहीं होती थीं। वे हमेशा उसे बड़े प्यार से समझातीं, लेकिन अगर वह फिर भी शरारत करता तो वे उसपर ग़ुस्सा बिल्कुल नहीं करती थीं। एक दिन अक्षय को स्कूल के किसी साथी ने बताया कि फर्श पर साबुन के घोल को गिराकर भी शरारत की जा सकती है।

उसके साथी ने बताया कि जब कोई साबुन के घोल से फिसलकर गिरता है, तो गिरे हुए व्यक्ति को देखने में बहुत मज़ा आता है। अक्षय ने सोचा कि वह इस शरारत की शुरुआत घर से ही करेगा। अगले दिन अक्षय के स्कूल की छुट्टी थी, पर पापा को अपने ऑफिस जाना था। सुबह पापा जब तैयार होकर ऑफिस चले गए, तो उसने सोचा कि अब उस शरारत को मम्मी पर आज़माया जाए। उसने देखा कि मम्मी रसोई में व्यस्त थीं। वह चुपचाप बाथरूम में गया और एक बाल्टी में थोड़ा-सा पानी लेकर उसमें तरल साबुन डालकर उसने उसका घोल बना लिया।

फिर वह धीरे से बाल्टी को बाथरूम के दरवाज़े तक लाया और ख़ुद बाहर निकलकर बाल्टी का पानी उसने बाथरूम के फर्श पर बिखरा दिया। फिर ख़ाली बाल्टी को अंदर की तरफ़ खिसका दिया। उसके बाद वह चुपचाप कमरे में आकर अपनी कोई क़िताब खोलकर बैठ गया। उसने अपने सामने क़िताब रखी ज़रूर हुई थी, पर उसका सारा ध्यान मम्मी की ओर ही था। उसे मालूम था कि मम्मी अभी थोड़ी देर में नहाने के लिए बाथरूम में जाएँगी। कुछ देर बाद मम्मी ने उसे नहा लेने के लिए कहा, लेकिन उसने कह दिया कि वह बाद में नहा लेगा, अभी नहाने का उसका मूड नहीं है। उसके बाद वह फिर से अपनी क़िताब पढ़ने का नाटक करने लगा।

हृदय स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम दवा

> कैप. हृदय कवच, कैप. कार्डिओ अमृत, को-एच और क्लीन हार्ट सिरप

यह सभी हृदय रोगों से बचाव के लिए प्रभावी दवाएं हैं। आयुर्वेद एक शाश्वत चिकित्सा शास्त्र है। जिसमें शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा गया है। इसकी चिकित्सा औषधी अत्यंत विशुद्ध अमृततुल्य होती है। जो दुष्परिणाम विरहित होकर चिकित्सा अपुनर्भव होती है अर्थात रोगों को समूल नष्ट कर देती हैं। इन उत्पादों के माध्यम से हृदय रोगों का प्रबंधन और उपचार संभव है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। आजकल की भागदौड़ की जिंदगी में असमय, अशास्त्रीय तरीके से खाना पिना, रात्रि जागरण मानसिक एवं शारीरिक तनाव, आधुनिक जीवन शैली इत्यादि के कारण ऑक्युपेशनल डिसऑर्डर अर्थात जिवनशैली से अथवा काम में संबंधित विकार होने शुरु हो गये है। उसमें हाई बि.पी, शुगर के साथ हृदय विकार भी आमतौर पर देखे जा रहे हैं। आजकल स्त्री हो या

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M)
C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS
NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD,
M.I.S.R (Mum), C.C.H,
C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस,
पी.ओ.डी.

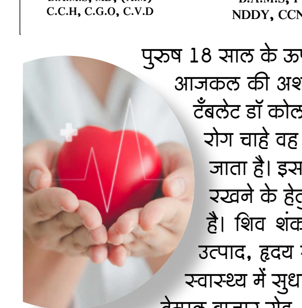

पुरुष 18 साल के ऊपर की उम्र के किसी भी व्यक्ती को हृदय रोग होते हुए देखे जा रहे हैं। उसका कारण आजकल की अशास्त्रीय आधुनिक जीवन शैली के अलावा कोविड-19 पैन्डेमिक भी माना जा रहा है। टॅबलेट डॉ कोलो एच और क्लीन हार्ट सिरप अत्यंत प्रभावी औषधी पायी गयी है। उपर्युक्त वर्णित हृदय रोग चाहे वह किसी भी आयु की व्यक्ति का हो उपर्युक्त वर्णित औषधियों से समूल संपूर्ण, नष्ट हो जाता है। इसके साथ स्वस्थ व्यक्ती भी अपने हृदय को स्वस्थ रखने, बीपी कोलेस्ट्रॉल को नॉर्मल रखने के हेतु से उपर्युक्त वर्णित औषधि अनुभवी वैद्यों की सलाह एवं परामर्श से सेवन कर सकते है। शिव शंकर 'आयुर्वेद एजेंसी' द्वारा निर्मित कैप-हृदय कवच और कैप-कार्डियो अमृत जैसे उत्पाद, हृदय रोगों के प्रबंधन और उपचार के लिए उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये औषधियां न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाती हैं। योग कॉम्प्लेक्स, सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड, महाजन मार्केट, नागपुर, आयुर्वेदिक दवाओं और उपचारों के साथ अधिक जानकारी और परामर्श के लिए, आप शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक और शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी से अथवा इस 9112079000 / 8605245080 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, गुरुवार, 24 अप्रैल 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

गढ़चिरोली जिला कांग्रेस कमेटी का सफल चक्का जाम आंदोलन!

गढ़चिरोली जिला कांग्रेस कमेटी ने बाधित विद्युत आपूर्ति और जंगली हाथियों के बढ़ते उपद्रव के खिलाफ एक घंटे का तीव्र बंद आयोजित किया। इस आंदोलन का नेतृत्व विधायक रामदास मसराम और जिला अध्यक्ष महेंद्र ब्राह्मणवाड़े ने किया। महावितरण और वन विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया। ब्राह्मणवाड़े ने कहा यह तो बस शुरुआत है - लोगों के अधिकारों के लिए लड़ाई जारी रहेगी....

चंद्रपुर के 16 छात्रों का जेईई मेन्स में शानदार प्रदर्शन

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा हाल ही में घोषित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) 2025 के परिणाम में, चंद्रपुर के 16 छात्रों ने परीक्षा के दूसरे सत्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। विशेष रूप से छात्रों के इस शानदार प्रदर्शन के कारण चंद्रपुर के लोगों के लिए यह गर्व की बात मानी जा रही है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों में पीयूष कुमार, सहर्ष काशीनाथ घोंगे, रौनक राजेश रॉय, जित्या नितिन हसनी, नैंसी प्रसाद, लोभास भुसरी, पनाय सोन्तेके, सार्थक येदलवार, सक्षम संजय बेरिया, स्व्यम कलस्कर,

कुणाल बंसल, मीत परमार, मधुरा रामगीरवार, अजिंक्य मोदका, अनघा सुरेश अदपेवार और हर्ष सातपुते शामिल हैं। डॉ. एच. आर. राव ने छात्रों को उनके प्रभावी परिणामों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि, "हमें जेईई मेन 2025 में अपने छात्रों के प्रदर्शन पर गर्व है। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प, उचित प्रशिक्षण के साथ मिलकर, ये उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त हुए हैं। हम छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने में मदद करने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।" दुनिया की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक के रूप में पहचानी जाने वाली प्रतिष्ठित आई.आई.टी. जे.ई.ई. परीक्षा में उत्तीर्ण होने से छात्रों को बधाई दी. छात्रों को अपने अंक बढ़ाने के कई अवसर उपलब्ध कराने के लिए जेईई (मुख्य) की संरचना दो सत्रों में की जाती है। जेईई एडवांस्ड केवल प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में प्रवेश प्रदान करता है, जबकि जेईई मेन भारत में कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य केंद्र द्वारा वित्त पोषित इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। जेईई मेन परीक्षा में भाग लेना जेईई एडवांस्ड परीक्षा में बैठने के लिए एक पूर्व शर्त है।

पहलगाम में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों को विशेष विमान से वापस लाया जाए : सांसद प्रतिभा धानोरकर

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोड से की मुलाकात

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में महाराष्ट्र के कुछ पर्यटकों की मौत और कुछ नागरिकों के घायल होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से महाराष्ट्र में शोक और भय का माहौल फैल गया है। प्रारंभिक जानकारी मिली है कि इस हमले में डोंबिवली के तीन पर्यटक मारे गए तथा पुणे का एक पर्यटक घायल हो गया। इसके अतिरिक्त, ऐसी संभावना है कि कुछ और मराठी पर्यटक पहलगाम और आसपास के इलाकों में फंसे हुए हैं। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोड़ से उन्हें सुरक्षित महाराष्ट्र वापस लाने के लिए विशेष विमान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। इस पृष्ठभूमि में, सांसद प्रतिभा धानोरकर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और नागरिक उड्डयन

राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोड़ को एक पत्र लिखकर पहलगाम में फंसे महाराष्ट्र के सभी पर्यटकों के बारे में तत्काल जानकारी देने और उन्हें विशेष उड़ान से महाराष्ट्र वापस लाने की व्यवस्था करने की मांग की है। सांसद प्रतिभा धानोरकर ने अपने पत्र में कहा है कि इस दुखद घटना से महाराष्ट्र के नागरिक चिंतित हैं। इसलिए यह जरूरी है कि राज्य सरकार तुरंत कार्रवाई करे और पहलगाम में फंसे हमारे भाइयों और बहनों को सुरक्षित वापस लाए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार इस मांग पर ध्यान देगी और यथाशीघ्र उचित कदम उठाएगी.

फर्जी डॉक्टर की लापरवाही से बच्ची की मौत

> डॉक्टर के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज करें, प्रेस कॉन्फ्रेंस में मृतक नाबालिग लड़की के पिता की मांग

चंद्रपुर. रुद्र रॉबिन मंडल नामक एक फर्जी डॉक्टर बिना किसी शैक्षणिक डिग्री या डिप्लोमा के, वरोरा तालुका के खंबाडा में महाकाली क्लिनिक चला रहा है। एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें एक डॉक्टर की लापरवाही और गैरजिम्मेदाराना काम के कारण 11 साल की बच्ची की मौत हो गई। इस संबंध में बच्ची के माता-पिता द्वारा पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद डॉक्टर और धनंजय मेडिकल के संचालक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए मृतक लड़की की मां शिला नाईक और पिता मोरेश्वर नाईक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए डॉक्टर और मेडिकल सेंटर के संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है। प्रेस कांफ्रेंस कर मांग पूरी न होने पर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के सामने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। लड़की के पिता मोरेश्वर नाइक ने बताया कि उनकी 11 वर्षीय बेटी समता की हालत 30 जुलाई 2024 को अचानक बिगड़ गई। उसे इलाज के लिए वरोरा तहसील के खांबाडा के फर्जी डॉ. रूद्र रॉबिन मंडल के महाकाली क्लिनिक ले जाया गया. डॉक्टर ने लड़की की जांच की

और उसे रक्त परीक्षण के लिए खंबाडा स्थित प्रयोगशाला में भेज दिया। जब जांच रिपोर्ट डॉक्टर को दिखाई गई तो उसे कुछ गोलियां देकर घर भेज दिया गया। अगले दिन डॉक्टर ने मोरेश्वर नाइक को फोन करके अस्पताल वापस बुलाया। डॉक्टर ने लड़की को 100 मिलीलीटर सलाइन के तीन इंजेक्शन लगाए। कुछ समय बाद उसे छुट्टी दे दी गई। घर पहुंचने के आधे घंटे बाद लड़की का शरीर ठंड से कांपने लगा। लड़की की तबीयत और बिगड़ गई। सलाइन के कारण लड़की को कमजोरी महसूस होने लगी। लड़की की हालत देखकर माता-पिता चिंतित हो गए। डॉक्टर के पास ले जाने के बाद, उन्होंने घरेलू उपचार आजमाए, लड़की के शरीर पर ठंडा पानी छिड़का और एक खाली कागज पर उसके लिए कुछ दवाइयां लिख दीं। लेकिन लड़की दवा लेने की हालत में नहीं थी। इसके बाद लड़की बेहोश हो गई। लड़की की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टर ने उसे दूसरे अस्पताल ले जाने को कहा। लड़की के पिता तुरंत उसे हिंगनघाट के एक अच्छे डॉक्टर के पास ले गए। संबंधित डॉक्टर ने लड़की की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उसे सरकारी अस्पताल रेफर करने को कहा। सरकारी अस्पताल में भर्ती कराने के बाद डॉक्टरों ने नाबालिग लड़की समता को मृत घोषित कर दिया। पिता मोरेश्वर नाइक और शीला नाइक ने धनंजय मेडिकल स्टोर के संचालक की लापरवाही और गैरजिम्मेदाराना कार्य के कारण लड़की की मौत हो गई, जिन्होंने फर्जी डॉक्टर के पर्चे के आधार पर दवा दी। इस संबंध में प्रशासन से डॉक्टर और मेडिकल शॉप संचालक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की गई है। मोरेश्वर नाइक और शिला नाइक ने चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे जिलाधिकारी कार्यालय के सामने स्वास्थ्य विभाग के विरोध खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

सात सैलानी पहलगाम में फंसे, जोरगेवार कश्मीर प्रशासन के संपर्क में

चंद्रपुर, सुनील तायडे. जम्मू और कश्मीर पहलगाम हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद तनावपूर्ण स्थिति के कारण कई पर्यटक वहां फंसे हुए हैं। ऐसे संकट में चंद्रपुर शहर के तीन परिवारों के सात नागरिक पहलगाम में भी फंसे हुए हैं , और उन्हें चंद्रपुर वापस लाने के लिए विधायक किशोर जोरगेवार के तुरंत प्रयासों से वापसी में तेजी आई है। हर साल लाखों पर्यटक पर्यटन के

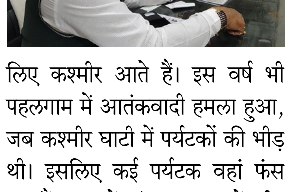

लिए कश्मीर आते हैं। इस वर्ष भी पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ, जब कश्मीर घाटी में पर्यटकों की भीड़ थी। इसलिए कई पर्यटक वहां फंस गए हैं। इस में चंद्रपुर शहर में तीन परिवारों के सात सदस्य फंसने की सूचना मिलने पर विधायक किशोर जोरगेवार ने तुरन्त वीडियो कॉल द्वारा संबंधित परिवारों से संपर्क किया और उनकी सुरक्षा के बारे में पूछताछ की गई। इस समय पर्यटकों ने बताया कि, हम हमले के स्थान के पास खड़े थे। हम चंद्रपुर लौटना चाहते हैं , लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह संभव नहीं है। हम डरे हुए हैं. उन्होंने यह बात विधायक जोरगेवार को बताई। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक जोरगेवार ने वापसी की कारवाई शुरू की। वे सतीश कुमार खड़के, राहत एवं पुनर्वास विभाग के निदेशक , और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से सीधे टेलीफोन के माध्यम से संपर्क करके इस परिवार के बचाव के लिए सभी आवश्यक सहायता का अनुरोध किया। विधायक जोरगेवार ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन को परिवार का स्थान और उनकी सारी जानकारी उपलब्ध कराई।

हम आपके हैं कौन 2 सलमान माधुरी आउट

सलमान खान अपने करियर में कई बार प्रेम बनकर बड़े पर्दे पर उतरे. कभी फिल्म ने कम भी कमाए होंगे, पर हर बार उनका कैरेक्टर लोगों के दिल पर छाप छोड़ गया. फिल्मों में कई बेहतरीन जोड़ियां दिखी हैं, उनमें से एक है- प्रेम और निशा की. 1994 में रिलीज हुई हम आपके हैं कौन में सलमान खान और माधुरी दीक्षित ने जबरदस्त काम किया था. फिल्म को 31 साल पूरे हो चुके हैं. ऐसे में फिल्म के सीक्वल को लेकर सूरज बड़जात्या ने एक अपडेट शेयर किया है. लेकिन कास्ट को लेकर जो पता लगा है, वो सुनकर दिल टूट जाएगा.दरअसल 'हम आपके हैं कौन' को सूरज बड़जात्या ने डायरेक्ट किया था. यह साल 1994 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पिक्चर थी. 6 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर से 128 करोड़ का कारोबार किया था. लेकिन अब इसका सीक्वल बना, तो उसमें सलमान खान और माधुरी दीक्षित नहीं होंगे. आखिर क्यों सूरज बड़जात्या ने ऐसा कहासलमान खान और सूरज बड़जात्या कई फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. बड़जात्या लार्जर देन लाइफ फैमिली फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं. इसमें 'मैंने प्यार किया', 'हम साथ-साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन', 'प्रेम रतन धन पायो' समेत कई फिल्में शामिल हैं. जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर तो धुआं उठाया ही, साथ ही क्लासिक फिल्मों की लिस्ट में आती हैं. हालांकि, डायरेक्टर से इतनी अच्छी बॉन्डिंग के बावजूद सलमान खान को सीक्वल में नहीं लिया जाएगा. हाल ही में सूरज बड़जात्या ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत की. उन्होंने कहा कि वो सीक्वल में सलमान खान और माधुरी दीक्षित को नहीं लेना चाहते हैं.बड़जात्या ने कहा कि, अगर वो 'कभी हम आपके हैं कौन' का सीक्वल बनाने की प्लानिंग करते हैं तो सलमान खान या माधुरी दीक्षित को उसमें नहीं देखना चाहेंगे. उन्होंने पहले ही क्लियर कर दिया कि उसमें नए स्टार्स को कास्ट किया जाएगा. हालांकि, यह सीक्वल कब बनेगा, इसकी जानकारी नहीं दी है.

पहलगाम हमला जावेद अख्तर का फूटा गुस्सा

अब सिर्फ़ दुख है बोलीं आलिया भट्ट

मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. इस हमले में 28 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे. हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट २ ने ली है. इस घटना के बाद बॉलीवुड के सितारे भी गुस्से में हैं. कई सितारे हमले पर रिएक्शन दे चुके हैं. इस बीच मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने सख्त रुख अपनाते हुए अपने ट्वीट में इन आतंकियों को कड़ी सजा देने की मांग की है.जावेद अख्तर ने एक्स (ट्विटर) पर अपने बयान में कहा, "चाहे कुछ भी हो, कितना भी नुकसान उठाना पड़े, पहलगाम के आतंकियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जा सकता. इन हत्यारों को अपनी अमानवीय करतूतों की सजा अपनी जान देकर चुकानी होगी.सिर्फ जावेद अख्तर ही नहीं आलिया भट्ट ने भी इस घटना में अपनी जान गंवा चुके लोगों को श्रद्धांजलि दी. आलिया भट्ट लिखती हैं, "पहलगाम से आई खबर बहुत दुखद है. मासूमों की जानें चली गईं. उनमें टूरिस्ट थे, परिवार वाले लोग थे, वो थे जो बस जी रहे थे. वहां सुंदरता की तलाश में आए हुए थे. शांति की तलाश में थे और अब सिर्फ दुख ही दुख है, और इसका बोझ नहीं सहा जा रहा है. जब भी ऐसा कुछ होता है, तो ये थोड़ा-थोड़ा करके हमारी मानवता को खत्म कर देता है. उन आत्माओं को शांति मिले और जो पीछे रह गए हैं, उन्हें किसी तरह शक्ति मिले – लेकिन मुझे नहीं पता कि हम उनसे यह उम्मीद करना कैसे शुरू करें.सिर्फ जावेद अख्तर और आलिया भट्ट ही नहीं बल्कि सनी देओल, अल्लू अर्जुन से लेकर इंडस्ट्री के कई बड़े एक्टर्स ने इस हमले की निंदा की है.

'बिन तेरे सनम' की हीरोइन हुईं गुमनाम अब मिली झलक

90 के दशक में कई ऐसी एक्ट्रेसेस रहीं, जिनके हुस्न की चर्चा आज भी होती है. कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस भी जिन्होंने कुछ फिल्मों में काम करके इंडस्ट्री से सन्यास ले लिया. ऐसी ही एक एक्ट्रेस रहीं रुचिका पांडे.रुचिका पांडे ने 1991 में आई फिल्म 'यारा दिलदारा' से डेब्यू किया था. इस फिल्म में वो भाभी जी घर पर हैं फेम एक्टर आसिफ शेख नजर आए थे. भाभी जी घर पर हैं सीरियल में आसिफ ने विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभाया है.रुचिका की इंडस्ट्री में एंट्री कुछ खास नहीं रही. यही कारण रहा की एक्ट्रेस ने हमेशा के लिए एक्टिंग से दूरी बना ली. रुचिका की पहली फिल्म 'यारा दिलदारा' बुरी तरह फ्लॉप हुई थी. इसके बाद रुचिका पांडे अक्षय कुमार के साथ 'मिस्टर बॉन्ड' में नजर आईं. ये फिल्म भी फ्लॉप निकली और रुचिका का एक्ट्रेस बनने का सपना टूट गया. पूरे करियर में बस ये दो फिल्में देकर रुचिका अचानक गुमनाम हो गईं.रिपोर्ट्स की माने तो इंडस्ट्री से दूर, रुचिका अब विदेश में रहती हैं. एक्ट्रेस दुबई में रहती हैं और वहां वो एक बड़ी फैशन डिजाइनर हैं.

दीपिका और शोएब पर फैंस का गुस्सा

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को सकते में डाल दिया है. टीवी से लेकर बॉलीवुड तक हर कोई इस हमले के बारे में बात कर रहे हैं. लोग लगातार सोशल मीडिया के जरिए पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा कर रहे हैं. इसी बीच टीवी के जानेमाने कपल दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं. बता दें कि हालही में दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम कश्मीर में वेकेशन मनाने पहुंचे थे. हमले से एक दिन पहले ही दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम ने अपने वेकेशन की फोटोज फैंस के साथ शेयर की थी.पहलगाम में हमला होते ही दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम के फैंस परेशान हो गए. ऐसे में दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम ने अपने फैंस को अपडेट देने के लिए एक इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई जो कि इन दोनों के लिए आफत बन गई है. अपनी स्टोरी में शोएब इब्राहिम ने लिखा, हैलो गाइज आप लोग हमारी सेफ्टी को लेकर काफी परेशान हैं. मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब ठीक हैं. आगे शोएब इब्राहिम ने लिखा, आज सुबह ही हम कश्मीर से निकले हैं. हम दिल्ली आ चुके हैं. आप सभी के प्यार के लिए शुक्रिया... जल्द ही हम अपना ब्लॉग आपके साथ शेयर करेंगे. ऐसा बोलकर शोएब लोगों के गुस्से का शिकार हो गए. लोग शोएब इब्राहिम को ट्रोल करने लगे हैं. लोग कह रहे हैं कि वहां आतंकी हमले में लोगों की जान चली गई है और यहां इनको अपने ब्लॉग की फिक्र हो रही है. लोग लगातार दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम की पोस्ट पर कमेंट कर रहे हैं. सोशल मीडिया के जरिए लोग दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं. वैसे ये पहली बार नहीं है जब जनता दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम से खफा हो गई. ईद के मौके पर भी लोगों ने दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम को खूब खरीखोटी सुनाई थी.

श्रीदेवी की बहन से हुआ विवाद

प्यार में बदल गई कड़वाहट

हर दिल पर राज करने वाली एक्ट्रेस श्रीदेवी के निजी जीवन में कई घटनाए घटी. एक ऐसी घटना भी जिसकी वजह से उनके और उनकी बहन के बीच दूरियां आ गई थी. आज हम आपको उनकी बहन के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करियर के शुरुआत में हमेशा अपनी बहन श्रीदेवी के साथ ही दिखा करती थीं. पहले दोनों में खूब प्यार था लेकिन एक वक्त ऐसा आया, जब रिश्ते में दरार आ गई और फिर वह कभी एक नहीं हो पाईं.श्रीदेवी की बहन का नाम श्रीलता है. अक्सर श्रीलता एक्ट्रेस के साथ ही दिखती थीं. कई अवॉर्ड फंक्शन्स और इंडस्ट्री के दूसरे कार्यक्रमों में भी वो श्रीदेवी के साथ आ जाया करती थी. एक्ट्रेस श्रीदेवी को भी अपनी बहन श्रीलता से बेहद लगाव था.एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों बहनों के बीच किसी कारन से दरार आ गई थी. बताया जाता है कि एक्ट्रेस की मां के निधन के बाद दोनों बहनें अलग हो गई थीं. हुआ यूं की उनकी मां अस्पताल में भर्ती थीं तो डॉक्टर के गलती के कारण उनका ऑपरेशन गलत हो गया था. जिससे एक्ट्रेस की मां हो गया था. इसपर गुस्से श्रीदेवी ने अस्पताल पर गुस्से में गलत ऑपरेशन करने का केस कर दिया. रिपोर्ट के मुताबिक, वह केस जीत गईं और मुआवजे के तौर पर जो 7.2 करोड़ रुपये मिले, जिसे श्रीदेवी ने अपने पास रख लिया.यही बातें दोनों बहनों के अलग होने का कारण बनीं. इसके अलावा, श्रीदेवी ने अपनी मां की की प्रॉपर्टी भी अपने नाम कर ली थी. जिससे नाराज बहन श्रीलता ने श्रीदेवी पर केस कर दिया था. बाद में श्रीलता को अपने हिस्से के तौर पर 2 करोड़ रुपये मिले थे.

शाहरुख-दीपिका को पीछे छोड़ा

नंबर 1 बना ये महंगा गाना

रोबॉट 2.0 फिल्म के गाने यन्थारा लोकापु सुंदरिव में रजनीकांत और अक्षय कुमार थे। इस गाने में 20 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।शाहरुख खान की फिल्म जवान का गाना जिंदा बंदा काफी वायरल हुआ था। इस गाने में 1000 बैकग्राउंड डांसर्स थे। इस गाने को बनाने में 15 करोड़ लगे थे।दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह की फिल्म पद्मावत के गाने घूमर को बनाने में 12 करोड़ रुपये लगे थे।अक्षय कुमार की फिल्म बॉस का गाना पार्टी ऑल नाइट भी महंगे गाने में से एक है। इसे हनी सिंह ने गाया है और इसमें अक्षय के साथ सोनाक्षी सिन्हा भी लीड रोल में थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गाने में 600 इंटरनेशनल मॉडल्स थे और गाने में 6 करोड़ खर्च हुए हैं।दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह की फिल्म राम लीला का आइटम सॉन्ग राम चाहे लीला हिट गाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गाने के शूट में करीब 6 करोड़ खर्च हुए थे।धूम 3 का गाना मलंग जिसमें आमिर खान और कटरीना कैफ हैं। इस गाने में 200 इंटरनेशनल जिमनास्ट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस गाने को शूट करने में 5 करोड़ लगे थे।गोलमाल रिटर्न्स फिल्म का था-था करके गाने में 180 स्टंटमैन थे और एक हजार बैकग्राउंड डांसर। इस गाने को बनाने में 3.5 करोड़ लगे थे।शाहरुख खान की फिल्म रा वन से उनका गाना छम्मक छल्लो काफी हिट था। इस गाने को हॉलीवुड आर्टिस्ट एकॉन ने गाया था और इसे बनाने में 3 करोड़ रुपये लग गए थे।वरुण धवन और आलिया भट्ट की फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया का सैटर्डे-सैटर्डे गाना बनाने में भी 3 करोड़ लगे थे।जोधा अकबर फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन लीड रोल में थे।

सिंगर अरमान मलिक ने दोबारा रचाई शादी

बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर अरमान मलिक लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। बता दें कि इसी साल 2 जनवरी को उन्होंने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ के साथ शादी रचाई थी।दोनों की वेडिंग फोटोज सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हुई थीं। उनकी वेडिंग फोटोज पर फैन्स का जमकर प्यार देखा गया। फैन्स ही क्या सितारों ने भी अरमान मलिक को उनके जीवन के नए सफर के लिए उन्हें जमकर बधाइयां दी थीं, लेकिन एक बार फिर अरमान मलिक अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में आ गए हैं। दरअसल हाल ही में अरमान मलिक ने दोबारा शादी रचाई है। उनकी शादी की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं।अरमान मलिक ने हाल ही में अपनी शादी की नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि वह अपनी पत्नी आशना के साथ दोबारा हस्ताक्षर शादी करते नजर आ रहे हैं।

उदित नारायण के किसिंग विवाद पर भड़के सिंगर अमित टंडन

सिंगर उदित नारायण बीते लंबे समय से परफॉर्मेंस के बीच एक महिला को किस करने पर विवादों से घिरे हुए हैं। इसी बीच अब सिंगर अमित टंडन ने उदित नारायण के बिहेवियर की आलोचना की है। अमित ने कहा कि अगर वो वहां होते तो उन्हें मार देते।

हाल ही में फिल्मी मंत्रा को दिए गए एक इंटरव्यू में अमित टंडन से उदित नारायण किसिंग कंट्रोवर्सी पर सवाल किए गए। जवाब में उन्होंने कहा, किसी ने लाइन दी तो उन्होंने लाइन ले ली। ये आप पर निर्भर करता है कि आप कहां तक इजाजत देते हो। आपको लिमिट लगानी चाहिए। अगर मेरे जैसा इंसान, जिसकी पत्नी या गर्लफ्रेंड स्टेज पर जाकर फोटो लेने की कोशिश करती और उसके साथ ऐसा होता तो मैं तो उन्हें बहुत पीटता। फिर वो मंच पर गा नहीं पाते। हमें अपने अंदर लिमिटेशन लाना जरूरी है। एक दायरा रखें।आगे अमित ने कहा है, कोई गाल पर किस करे इसका मतलब ये नहीं कि आप उसके होठों पर किस कर लो। अगर महिला के पति वहां होते, तो वो उनके साथ बहुत बुरा करते। इसका मतलब ये नहीं कि आप डर से ऐसा न करो। आपको अपनी लिमिटेशन रखनी पड़ेगी। कल को वही लड़की अगर जाकर बोले कि उन्होंने मेरे साथ जबरदस्ती की, तो वो खत्म हो जाएंगे।

इसी इंटरव्यू में जब अमित टंडन से आदित्य नारायण द्वारा मंच पर फेंके जाने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अनप्रोफेशनल, मुझे ये बोलने में कोई शर्म नहीं है कि ये बेहद अनप्रोफेशनल और बिगड़ैल रवैया है।कुछ दिनों पहले उदित नारायण की लाइव परफॉर्मेंस का एक वीडियो सामने आया था। वीडियो में उदित नारायण अपनी एक फीमेल फैन को किस करते नजर aआए थे। महिला उदित नारायण के साथ तस्वीर लेने के लिए मंच के करीब आई थी। इस समय उदित नारायण घुटनों के बल बैठे और उन्होंने तस्वीरें क्लिक करवाते हुए महिला को किस कर लिया। वीडियो वायरल होने के बाद सिंगर की जमकर आलोचना होने लगी।विवाद चल ही रहा था कि उसी समय उदित के दूसरे कॉन्सर्ट का भी वीडियो वायरल होने लगा, जिसमें वो महिला को किस कर रहे थे। एक ही तरह के दो वीडियो सामने आने से सिंगर विवादों से घिर गए।जहां कई लोगों ने उनकी कड़ी निंदा की, वहीं कई सिंगर्स ऐसे भी रहे, जो उनके सपोर्ट में आगे आए। सिंगर अभिजीत ने कहा था कि सिंगर्स के साथ ऐसा होना आम बात है। वह उदित नारायण हैं। लड़कियां उनके पीछे पड़ी थीं। उन्होंने किसी को भी अपने करीब नहीं बुलाया। मुझे यकीन है कि जब उदित परफॉर्मेंस देते हैं, तो उनकी पत्नी को-सिंगर के तौर पर उनके साथ होती हैं।

'गोलमाल मेरे करियर का सबसे बड़ा रिस्क था

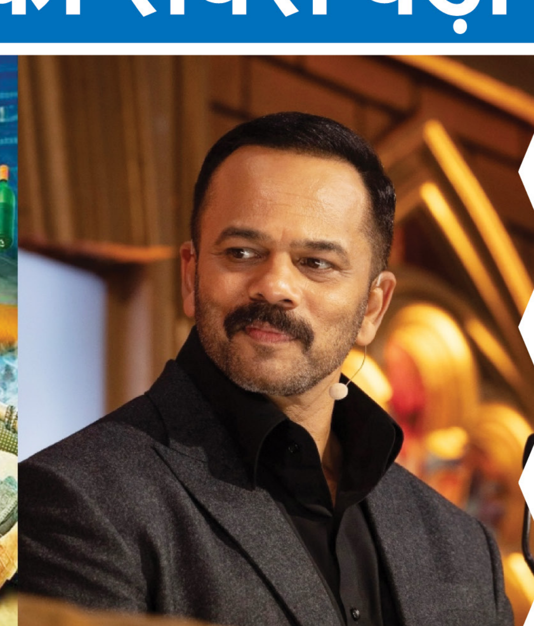

'गोलमाल मेरे करियर का सबसे बड़ा रिस्क था.
-रोहित शेट्टी ने किया चौकाने वाला खुलासा

हाल ही में कोमल नाहटा के 'गेम चेंजर' पॉडकास्ट के एक एपिसोड में बॉलीवुड के सबसे सफल निर्देशकों में से एक, रोहित शेट्टी ने अपने फिल्मी सफर, अजय देवगन के साथ अपने रिश्ते और एक कॉमेडी फिल्म 'गोलमाल' बनाने के रिस्क के बारे में खुलकर बात की। 58 मिनट का यह पॉडकास्ट रोहित शेट्टी के दिमाग की गहराई में झांकने का एक बेहतरीन मौका है।ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर रोहित शेट्टी से बातचीत के दौरान कोमल नाहटा ने उनसे पूछा कि उनकी फिल्मोग्राफी में ऐसा कौन सा प्रोजेक्ट था जिसे वह गेम चेंजिंग मानते हैं।कोमल नाहटा ने सवाल किया, आपके करियर में वह कौन सा मोड़ या फिल्म रही जिसे आप गेम चेंजर मानते हैं? इस पर रोहित शेट्टी ने जवाब दिया, मुझे लगता है ऐसा कई बार हुआ है, लेकिन अगर एक चुननी हो तो 'गोलमाल' मेरे लिए सबसे बड़ा रिस्क था, और वह मेरे लिए काम कर गया।₹ रोहित शेट्टी ने बताया कि ऐसी कई गेम-चेंजिंग मोमेंट्स उनकी फिल्मोग्राफी में रहे हैं, लेकिन 2006 में आई सुपरहिट फिल्म 'गोलमाल' उनमें सबसे खास रही।एक्शन डायरेक्टर के तौर पर पहचाने जाने वाले रोहित शेट्टी ने एक्शन हीरो अजय देवगन के साथ एक कॉमेडी फिल्म बनाने का निर्णय लिया था जो उनके मुताबिक अपने आप में एक बड़ा रिस्क था। आज 'गोलमाल' एक सुपरहिट फ्रैंचाइज़ी है, जिसके चार पार्ट आ चुके हैं और पांचवां बन रहा है। जाहिर है कि रोहित शेट्टी का यह रिस्क उन्हें भारी मुनाफा दे गया। इस लगभग एक घंटे की बातचीत में रोहित शेट्टी ने फिल्म निर्माण की बारीकियों, एक्टर्स के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने और ओटीटी बनाम थिएटर रिलीज़ जैसे मुद्दों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने यह भी याद किया कि 2021 में लॉकडाउन के बीच अपनी फिल्म 'सूर्यवंशी' को थिएटर में रिलीज़ करना भी एक बड़ा रिस्क था। रोहित शेट्टी आज बॉलीवुड के सबसे सफल निर्देशकों में से एक हैं, और कोमल नाहटा के साथ यह संवाद यह साफ कर देता है कि वह इस मुकाम पर क्यों हैं।

पहलगाम हमले के बाद फवाद खान ट्रोल

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने हर एक का दिल दहला दिया है। बता दें कि इस घटना में 16 लोगों की जान गई है। हैरानी वाली बात यह है कि उन्होंने हिंदी पर्यटकों से उनकी पहचान पूछकर उनपर गोलियों की बरसात कर दी। इस हादसे की खबर ने हर एक का दिल झकझोर दिया है। बता दें कि इस घटना को लेकर तमाम सितारों ने दुख जताया है। वहीं इस घटना की तस्वीरें देखने के बाद देशभर के लोगों में गुस्सा भर गया है।बता दें कि यह मामला अब बढ़ता नजर आ रहा है लोगों ने अब वाणी कपूर और फवाद खान की आने वाली फिल्म को लेकर भी भड़ास निकाली है। इतना ही नहीं लोगों की डिमांड है कि उनकी इस फिल्म को बायकॉट कर देना चाहिए। वैसे फिल्में तो कई रिलीज होने को तैयार है, लेकिन लोग फवाद खान को लेकर इतना नाराज क्यों हैं। आपको बता दें कि फिल्म अबीर गुलाल में फवाद खान लीड रोल में हैं और फवाद खान एक पाकिस्तानी एक्टर हैं। वहीं पगलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद अब लोगों ने इस फिल्म को बायकॉट करवाने की ठान ली है।बता दें कि इस हादसे के बाद लोगों का जमकर आक्रोश देखने मिल रहा है।

श्रीवत्स गोस्वामी ने की पाकिस्तान से क्रिकेट बंद करने की मांग

नई दिल्ली. पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को गुस्से में झोंक दिया है. उसके असर से क्रिकेट और उसे खेलने वाले खिलाड़ी भी बच नहीं सके हैं. इधर आईपीएल मुकाबलों को लेकर बीसीसीआई ने कुछ बड़े फैसले किए तो इधर एक दिग्गज भारतीय क्रिकेटर ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट को पूरी तरह से बंद करने की बात रख दी है. हम बात कर रहे हैं पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीवत्स गोस्वामी की, जिन्होंने 2008 में विराट कोहली की कमान में अंडर 19 का वनडे वर्ल्ड कप जीता था.

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट पूरी तरह बंद होश्रीवत्स गोस्वामी आईपीएल में भी 4 टीमों से खेल चुके हैं मगर फिलहाल वो पहलगाम में निर्दोष लोगों पर आतंकी हमले से आहत हैं. उन्होंने एक्स हैंडल के जरिए अपने गुस्से का इजहार किया है और लिखा है कि अब हद हो गई है. इसलिए मैं कहता आया हूं कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं हो सकती. अभी नहीं और कभी नहीं.

जब पहलगाम गए थे श्रीवत्स तो क्या देखा?हमले से आहत श्रीवत्स गोस्वामी ने कुछ महीने पहले अपने पहलगाम दौरे का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि लेजेंड्स लीग को लेकर मैं वहीं था. ऐसे में मुझे पहलगाम जाने और वहां के लोगों से मिलने का मौका मिला. वहां के लोगों की आंखों में मुझे उम्मीदों की किरण दिख रही थी. ऐसा महसूस हो रहा था जैसे सब ठीक हो रहा है. सब पटरी पर लौट रहा है. लेकिन एक बार फिर से हुई हिंसा झखझोरने वाली रही है.

आईपीएल में भारतीय खिलाड़ियों से अपीलपूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीवत्स गोस्वामी ने अपने मन का गुब्बार तो पहलगाम आतंकी हमले पर बाहर निकाला ही है, साथ ही

आईपीएल खेल रहे भारतीय क्रिकेटरों से कम से कम एक हफ्ते तक काली पट्टी बांधकर खेलने की अपील की है. श्रीवत्स गोस्वामी ने घरेलू क्रिकेटमें 61 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 3019 रन बनाए हैं. उनकी बड़ी उपलब्धि 2008 में जीती अंडर-19 वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी रही, जहां उन्होंने सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ बेशकीमती 58 रन बनाए थे.

पहलगाम हमले पर क्रिकेट जगत की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली. पहलगाम आतंकी हमले से पूरा देश आहत है. वहीं क्रिकेट जगत ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी सचिन तेंदुलकर से लेकर विराट कोहली तक, कई मशहूर खिलाड़ी इस घटना की निंदा कर चुके हैं. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और कड़ी कार्रवाई की भी मांग की. टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी इस आतंकवादी घटना से दहल गए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर दुख जताया और कहा कि इस तरह की घटनाएं हमारे देश के समाज को कमजोर बनाती हैं. उन्होंने इस कठिन समय में सभी देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की है.

शमी ने क्या कहा?

शमी ने इस हमले को लेकर कहा, "पहलगाम में हुए दुखद आतंकवादी हमले पर मुझे बहुत दुख है. इस क्रूर हमले में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई और परिवार बिखर गए. इस तरह की हिंसा ना केवल एक इंसान को निशाना बनाती है, बल्कि हमारे समाज के ताने-बाने को भी कमजोर करती है. इस कठिन समय में, हमें आतंकवाद की निंदा करने और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करने में एकजुट होना चाहिए. यह जरूरी है कि हम शांति के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखें. हमारी संवेदनाएं इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं." 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. इस घटना में करीब 26 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं. इस आतंकी हमले का शिकार ज्यादातर पर्यटक हुए हैं,

जिसने पूरे देश को हिला कर रख दिया है.विराट कोहली ने हमले पर दुख जताया और न्याय की मांग की. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए जघन्य हमले से बहुत दुखी हूं. पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है. इस क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिलने और अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवारों को शांति और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं. वहीं हार्दिक पंड्या ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की. उन्होंने कहा, पहलगाम से आई खबर से मैं स्तब्ध हूं. मेरी संवेदनाएं पीड़ित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं.

आरसीबी आज घरेलू हार के सिलसिले को तोड़ने उतरेगी

नई दिल्ली. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले में घरेलू अभिशाप को तोड़ना चाहेगी। यूं तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इस साल का फॉर्म अच्छा रहा है और वे आठ मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ अंक तालिका के टॉप-4 में हैं। हालांकि ये सभी पांच जीत उन्हें अपने अवे मैचों में मिले हैं। घर पर उन्हें इस साल तीन के तीनों मैचों में हार मिली है और अब उन्हें यहां पर चार और मैच जीतने हैं, जो कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के हिसाब से बहुत महत्वपूर्ण होंगे। इसलिए अगर आरसीबी को टूर्नामेंट में आगे बढ़ना है तो उन्हें जल्द से जल्द इस 'घरेलू अभिशाप' को मिटाना होगा।

वहीं, 24 अप्रैल 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे होने वाले इस मुकाबले को जीतकर राजस्थान रॉयल्स की टीम प्ले ऑफ की दौड़ में बनी रहना चाहेगी, क्योंकि अब एक हार भी टीम की मुश्किल बढ़ाएगी। यानी अब प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखना है तो राजस्थान रॉयल्स को हर मैच में जीत हासिल करनी होगी। आठ में से सिर्फ दो मुकाबले जीत राजस्थान रॉयल्स की टीम अंक तालिका में 10 में से आठवें स्थान पर है। वहीं, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम 8 में से सिर्फ तीन मुकाबले हारी है और वे 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

बेंगलुरु में राजस्थान का पलड़ा भारी

इन दोनों टीमों के बीच हमेशा ही नजदीकी मुकाबला देखने को मिलता है। दोनों टीमों के बीच हुए अब तक 32 मुकाबलों में 16 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जबकि 14 में राजस्थान रॉयल्स को जीत मिली है, वहीं दो मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं निकला है। हालांकि बेंगलुरु में हुए मुकाबलों में राजस्थान रॉयल्स का पलड़ा भारी है, जिसमें राजस्थान रॉयल्स ने 4 जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने तीन मुकाबले जीते हैं, जबकि दो का कोई परिणाम नहीं आया है। पिछली बार इसी सीजन में जब दोनों टीमें जयपुर के मैदान में भिड़ी थी तो उन्हें आरसीबी ने 9 विकेट के बड़े अंतर से हराया था। राजस्थान रॉयल्स का लक्ष्य उस हार का बदला लेने पर होगा, वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस सीजन अपने घरेलू मैदान पर पहला मैच जीतने का प्रयास करेगी।

विराट कोहली बनाम संदीप शर्मा

विराट कोहली इस सीजन अच्छे फॉर्म में हैं। उन्होंने आठ पारियों में चार अर्द्धशतक लगाये हैं। हालांकि राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा उन पर लगाम लगाने की क्षमता रखते हैं, क्योंकि उन्होंने इस विश्व स्तरीय बल्लेबाज को आईपीएल में सर्वाधिक सात बार आउट किया है, जबकि कोहली उन पर सिर्फ 16.6 की औसत से रन बना पाते हैं। संदीप के बाद आशीष नेहरा ने छह जबकि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी ने कोहली को पांच बार आईपीएल में आउट किया है।

युवराज सिंह नहीं चाहते बेटा बने क्रिकेटर

नई दिल्ली. टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह को उनके पिता योगराज सिंह ने कड़ी मेहनत से क्रिकेटर बनाया था. उनकी मेहनत रंग लाई और भारत को युवराज जैसा शानदार खिलाड़ी मिला, जिसने कई बड़े टूर्नामेंट्स में देश को जीत दिलाई. लेकिन अब युवराज खुद अपने बेटे ओरियन को क्रिकेटर नहीं बनाना चाहते. उन्होंने इसके पीछे एक गहरी वजह भी बताई है. दरअसल, युवराज सिंह का मानना है कि आज के समाज में हर बच्चे की तुलना उसके पिता की विरासत से की जाती है, जो ठीक नहीं है.

बेटे को लग रहा क्रिकेट में मन

युवराज सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है. इस दौरान उनसे उनके बेटे के करियर को लेकर सवाल किया गया था. इसके जवाब में उन्होंने खुलासा किया कि जबसे उनके बेटे ओरियन ने उन्हें क्रिकेट खेलते हुए देखा है, उसका मन इसी खेल में लग गया है. लेकिन वो नहीं चाहते हैं कि वो कभी क्रिकेट खेले. उन्होंने कहा, "क्रिकेट का शौक बहुत पड़ गया है उसे (ओरियन), जब से उसने मुझे खेलते देखा है. जब भी मैं उसे देखता हूं, तो वह कहता है, डैड, मैं आपके साथ क्रिकेट खेलना चाहता हूं' और मैं कहता हूं, नहीं, मैं नहीं चाहता कि आप क्रिकेट खेलें. मैं यह उससे नहीं, बल्कि अपने अंदर ही कह रहा होता हूं."

युवराज ने आगे कहा, "मैं बिल्कुल नहीं चाहता कि वो क्रिकेट खेले. फिर भी वो अगर वह खेलेगा तो मैं उसका समर्थन करूंगा. मुझे लगता है कि एक बच्चे के तौर पर बहुत ज्यादा दबाव होता है. आज के समाज में क्रिकेट में हर बच्चे की तुलना उसके पिता की विरासत से की जाती है. मुझे लगता है कि यह बहुत अनुचित है, क्योंकि हर किसी में एक जैसी प्रतिभा नहीं हो सकती. किसी में होगा, किसी में नहीं होगा. किसी में किसी और चीज का टैलेंट होगा. लेकिन अगर वह खेलना चाहता है, तो मैं जरूर उसका समर्थन करूंगा."

युवराज ने तैयार किए दो सितारे

हालांकि युवराज अपने बेटे को क्रिकेटर नहीं बनाना चाहते, लेकिन उन्होंने पहले ही टीम इंडिया को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा जैसे दो बेहतरीन खिलाड़ी दिये हैं. खासकर अभिषेक शर्मा युवराज को अपना गुरु मानते हैं और अक्सर अपनी सफलता का श्रेय उन्हें देते हैं.

महिला ट्राई-नेशन सीरीज की तैयारी में जुटी टीम इंडिया

बेंगलुरु. देश में आईपीएल का माहौल तो है ही. लेकिन टी20 क्रिकेट के इस बड़े महोत्सव के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट सीरीज का भी रोमांच देखने को अब तैयार हो जाएं. बेंगलुरु में भारत की महिला क्रिकेट टीम का कैंप लग चुका है, जिसमें वो 15 खिलाड़ी शिरकत करती दिख रही हैं, जिन्हें ट्राई-नेशन सीरीज के लिए चुना गया है. ये ट्राई- नेशन वनडे फॉर्मेट में खेली जानी है, जिसकी शुरुआत 27 अप्रैल से होगी. मतलब भारत ने सीरीज शुरू होने से 3 दिन पहले ही तैयारियों को परखने के लिए अपना कैंप लगा लिया है.

27 अप्रैल से 11 मई तक सीरीज ट्राई नेशन सीरीज का आयोजन श्रीलंका की मेजबानी में होगा. इस सीरीज में भारत और श्रीलंका के अलावा एक और टीम साउथ अफ्रीका की होगी. ट्राई-नेशन सीरीज 27 अप्रैल से शुरू होकर 11 मई तक चलेगी. 14 दिन तक चलने वाली इस सीरीज में फाइनल समेत कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे.

ट्राई-नेशन सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कैंप 23 अप्रैल से बेंगलुरु में शुरू हुआ है. इस कैंप में कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत के सभी 15 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. कैंप लगाने का मुख्य मकसद खिलाड़ियों की ताकत और कमजोरी को परखना, उस पर काम करना, खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल को बढ़ाना और सबसे बढ़कर तैयारियों को परखना है.

ट्राई सीरीज का शेड्यूल

महिला टीमों के बीच ट्राई सीरीज के पहले मैच में 27 अप्रैल को मेजबान श्रीलंका का सामना टीम इंडिया से होगा. इसके बाद 29 अप्रैल को भारत-साउथ अफ्रीका का सामना होगा. 1 मई को श्रीलंका की टक्कर साउथ अफ्रीका से होगी. वहीं 4 मई को भारत-श्रीलंका फिर से एक बार आमने-सामने होंगे. 7 मई को साउथ अफ्रीका और इंडिया टकराएंगे जबकि 11 मई को होने वाले फाइनल से पहले 9 मई को श्रीलंका और साउथ अफ्रीका की टक्कर होगी.

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, कास्वी गौतम, यास्तिका भाटिया, ऋचा घोष, अरुंधती रेड्डी, सुचि उपाध्याय और एन. चरानी.

सौरव गांगुली को मिली 125 करोड़ की नई डील

नई दिल्ली. हाल ही में आईसीसी मेंस क्रिकेट कमेटी के दोबारा से चेयरमैन बनाए गए सौरव गांगुली को अब 125 करोड़ रुपये मिलेंगे.

ये पैसे उन्हें उनकी नई डील के तहत मिलेंगे, जिसके मुताबिक उन्हें 'दादागिरी' छोड़नी होगी. 'दादागिरी' उस बंगाली क्विज शो का नाम है, जिसे सौरव गांगुली होस्ट करते हैं. न्यूज 18 बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक गांगुली ने 125 करोड़ रुपये की डील स्टार जलसा के साथ की है.

बंगाली टेलीविजन पर आने वाले क्विज शो 'दादागिरी' को होस्ट करने के बाद सौरव गांगुली बंगाल के घर-घर में फेमस हो चुके हैं. रिपोर्ट के मुताबिक उनकी उसी लोकप्रियता को अब स्टाल जलसा भुनाना चाहती है, जिसने उनसे 4 साल की डील 125 करोड़ रुपये में की है. इसके एवज में गांगुली बिग बॉस बांग्ला को होस्ट करेंगे. उसके अलावा चैनल एक नया क्विज शो भी लेकर आने वाला है. ये दोनों शो अगले साल से टेलीकास्ट होंगे, जिसके प्रोडक्शन का काम जुलाई 2025 से शुरू हो जाएगा.

सौरव गांगुली नई डील से खुश

रिपोर्ट में सौरव गांगुली के हवाले से लिखा गया कि वो अपनी नई डील से खुश हैं. उन्हें स्टार जलसा के साथ जुड़ने की खुशी है.

राजस्थान रॉयल्स पर फिक्सिंग के आरोप

नई दिल्ली. राजस्थान रॉयल्स के दो मैच बेहद ही हैरान करने वाले रहे हैं. दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ इस टीम ने दो जीते हुए मैच गंवा दिए. लखनऊ के खिलाफ मिली हार के बाद राजस्थान रॉयल्स पर मैच फिक्सिंग जैसे गंभीर आरोप लगा दिये गए.

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एड-हॉक कमेटी के कन्वेनर जयदीप बिहानी ने आरोप लगाया कि राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ के खिलाफ 2 रन से जो मैच गंवाया वो फिक्स था लेकिन अब इस मामले में बीसीसीआई की प्रतिक्रिया आई है. बीसीसीआई ने मैच फिक्सिंग के आरोपों को बकवास बताया है.

मैच फिक्सिंग के आरोपों पर बीसीसीआई ने क्या कहा?

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बातचीत में कहा कि मैच फिक्सिंग जैसी कोई चीज ही नहीं है. अधिकारी ने कहा, 'आरसीए में जल्द चुनाव होने वाला है और सबका ध्यान खींचने के लिए इस तरह के फर्जी बयान दिए जा रहे हैं.' अधिकारी ने आगे कहा कि बीसीसीआई की एंटी करप्शन बॉडी लगातार हर मैच पर नजर रखती है. मैच फिक्सिंग के आरोप पूरी तरह से गलत हैं. बता दें बीसीसीआई अधिकारी की ये प्रतिक्रिया राजस्थान रॉयल्स की शिकायत के बाद आई है.

राजस्थान रॉयल्स ने जयदीप बिहानी की लिखित शिकायत बीसीसीआई से की थी. राजस्थान रॉयल्स का है बुरा हाल: राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल 2025 किसी बुरे सपने से कम नहीं है. ये टीम 8 में से 6 मैच हार चुकी है, जिसमें से दो मैच तो उसने जीत की दहलीज पर पहुंचकर गंवा दिये. राजस्थान ने चेन्नई और पंजाब को हराकर वापसी की उम्मीद जताई थी लेकिन इसके बाद वो लगातार तीन मैच हार गई. पहले आरसीबी ने उसे 9 विकेट से रौंदा और फिर दिल्ली कैपिटल्स ने उसे सुपर ओवर में मात दी. इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स से उसे दो रनों से हार मिली, जबकि उसे आखिरी ओवर में 9 ही रन बनाने थे.

आर्यमान वर्मा ने जीता विसडेन स्कूल क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

नई दिल्ली. भारतीय मूल के 18 साल के युवा क्रिकेटर आर्यमान वर्मा ने इंग्लैंड में बड़ा कारनामा किया है. इस लेग स्पिनर ने विसडेन स्कूल क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता है. इसके साथ ही उन्होंने जॉनी बेयरस्टो और जॉस बटलर के क्लब में शामिल हो गए हैं. दोनों इस खिताब को पाने वाले पहले और तीसरे विजेता थे. 2024 के सीजन में ईटन कॉलेज के कप्तान के तौर पर आर्यमन ने 12 की औसत से 51 विकेट चटकाए. साथ ही 300 से ज्यादा रन भी बनाए. आपको जानकर हैरानी होगी कि टीम इंडिया के चाइनमैन स्पिनर कुलदीप यादव इस खिलाड़ी के मेंटॉर हैं. आर्यमान पिछले 3 सीजन से दिल्ली कैपिटल्स के साथ नेट बॉलर के तौर पर जुड़े हुए हैं. उनका सपना है कि वो आईपीएल और इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलें और अपने बचपन के हीरो विराट कोहली को आउट करें.

कौन हैं आर्यमान वर्मा?

आर्यमन वर्मा का परिवार दिल्ली से है. उनके पिता मुनीश वर्मा दिल्ली के लिए बैडमिंटन खेल चुके हैं. आर्यमन का जन्म लंदन में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपने शुरुआती कुछ साल मुंबई में बिताए. इसी दौरान वो और उनके बड़े भाई आरव को क्रिकेट से गहरा लगाव हो गया. फिर वो लंदन शिफ्ट हो गए और वहीं क्रिकेट खेलने लगे. वो पिछले साल खिताब से चूक गये थे.

2024 में सीजन में उन्होंने 17 की औसत से 45 विकेट हासिल किए थे और टॉप-4 में रहे थे. आर्यमान ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्हें इस अवॉर्ड के बारे में पता चला तो उन्हें पहले यकीन नहीं हुआ. इसके बाद उन्होंने अपने परिवार को ईमेल पढ़कर सुनाया ताकि चेक कर सकें कि वो ठीक पढ़ रहे हैं या नहीं. उन्होंने कहा, "मेरा लक्ष्य है कि एक दिन मैं इंटरनेशनल लेवल पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करूं."

दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा, कुलदीप हैं मेंटॉर: आर्यमन वर्मा पिछले तीन सालों से दिल्ली कैपिटल्स के साथ नेट बॉलर के तौर पर जुड़े हुए हैं. इस साल की शुरुआत खत्म हुए आईएलटी20 2025 में वो दुबई कैपिटल्स की विजेता टीम का भी हिस्सा थे. दिल्ली कैपिटल्स में रहने के दौरान उन्होंने पिछले तीन सालों में कुलदीप यादव के साथ काफी समय बिताया है, जो उन्हें मेंटर कर रहे हैं. आर्यमान ने खुलासा किया कि वो दिल्ली कैपिटल्स में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों के साथ गेंदबाजी करते हैं और सीखते हैं. उन्होंने कहा, "मैं कुलदीप के बहुत करीब हूं. हम लगातार फोन पर बात करते हैं. वह लगातार मुझे टिप्स देते रहते हैं और अपनी मिस्ट्री शेयर करते हैं. मैं उन्हें ना केवल एक दोस्त बल्कि एक बड़ा भाई और एक गुरु मानता हूं."

विराट कोहली 'ड्रीम विकेट'

आर्यमान ने अपने इंटरव्यू में खुलासा किया कि विराट कोहली उनके बचपन के हीरो हैं. पूरा परिवार उनकी खूब सराहना करता है. एक तरह से उनकी पूजा करता है. उन्होंने आईपीएल में हो रही क्रिकेट की क्वालिटी तारीफ की और बताया कि इस लीग में खेलना उनका सपना है. साथ ही ये भी कहा कि विराट कोहली उनके 'ड्रीम विकेट' हैं. आर्यमान ने कहा, "एक लक्ष्य आईपीएल में खेलना भी है. इतने सालों तक नेट बॉलर रहने के बाद, इस टूर्नामेंट में खेले जा रहे क्रिकेट की क्वालिटी जबरदस्त है. आईपीएल में खेलना निश्चित रूप से एक सपने के सच होने जैसा होगा.

जब उनसे पूछा गया कि उनका ड्रीम विकेट कौन होगा, तो वर्मा ने जवाब दिया, "यह बहुत बोरिंग जवाब है, लेकिन विराट कोहली हैं, किंग. बस इसके बारे में सोचकर ही मैं कांप उठता हूं. लेकिन मुझे यकीन है कि अगर मैंने उन्हें आउट कर दिया, तो मेरे चेहरे और गाल पर आंसू बह रहे होंगे. विराट कोहली एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी प्रशंसा मेरा पूरा परिवार करता है. मैं तो यहां तक कहूंगा कि हम उनकी पूजा करते हैं. उनका कैरेक्टर, उनका एंटरटेनमेंट और उनकी स्किल पहले कभी नहीं देखा गया है, और मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी होगा. शायद आरसीबी के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए एक दिन उनका विकेट लेने के बाद सबसे बड़ा सपना सच होगा."

पहलगाम हमले के बाद भारत की रणनीति पर मंथन

जम्मू कश्मीर.

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऐसे आसार हैं कि भारत मजबूती के साथ पाकिस्तान और वहां मौजूद आतंकी ठिकानों को जवाब दे. सरकार कई तरह के कदमों पर विचार कर रही है. इस संबंध में आज शाम की सीसीएस सुरक्षा मामलों से जुड़ी केंद्रीय कैबिनेट कमिटी की बैठक काफी अहम है. हम जानते हैं कि जम्मू कश्मीर में साल 2019 में बड़े स्तर पर आतंकी हमला पुलवामा में हुआ था. वो हमला आम नागरिकों पर न होकर सुरक्षाबलों पर था. इसका जवाब भारत ने बालाकोट स्ट्राइक के जरिये दिया था. ऐसे में, अब बालाकोट एयरस्ट्राइक से आगे की रणनीति पर विचार किया जा सकता है. मगर हम इस स्टोरी में ऐसे भी कुछ उपायों की बात करेंगे जिसके जरिये भारत बिना एयरस्ट्राइक किये भी पाकिस्तान की मुसीबतें बढ़ा सकता है.

मिसाल के तौर पर, भारत पाकिस्तान के साथ अपने राजनियक संबंधों को पूरी तरह खत्म कर सकता है. इसके तहत आज की तारीख में नई दिल्ली में मौजूद पाकिस्तानी उच्चायोग को बंद करने का भी एक विकल्प सरकार के सामने है. या फौरी तौर पर सरकार भारत में मौजूद पाकिस्तानी खुफिया अधिकारियों (जो उच्चायोग के अधिकारी के तौर पर रहते हैं) को इस्लामाबाद वापस भेज सकती है. वहीं, भारत इस्लामाबाद में मौजूद अपने राजनयिकों को नई दिल्ली बुलाकर पूरी तरह से संबंध तोड़ सकता है. अगर सरकार इन चीजों को न भी करे तो वो वह सिंधु जल समझौते से पीछे हट बड़ा संदेश दे सकती है. अगर ये होता है तो पाकिस्तान के कुछ इलाकों में पानी का संकट आ सकता है. खासकर, एक ऐसे समय में जब पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत पानी पर लड़ रहे हैं, भारत की ये चोट मजबूत होगी.

भारत और भी कदम उठा सकता है! : भारत अंतरराष्ट्रीय तौर पर एक गोलबंदी पाकिस्तान के खिलाफ कर सकता है. पश्चिम के कई देश आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में भारत के साथ आ सकते हैं. अगर ऐसा होता है तो इससे पाकिस्तान को कड़ा संदेश जाएगा. भारत पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा जारी करना बंद कर सकता है. साथ ही, भारतीयों के पाकिस्तान जाने पर सख्ती कर सकता है.सबसे अहम होगा भारत का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर, मसलन यूएई के रास्ते हो रहे व्यापार पर पूरी तरह रोक लगाना. अगर सरकार ऐसा करती है तो पाकिस्तान की आर्थिक कमर टूट सकती है. इसके अलावा, वैश्विक तौर पर संदेश देने के लिए भारत वाघा समेत और दूसरी जगहों पर होने वाले ध्वज सम्मान समारोह को बंद कर सकता है. ये भी अपने आप में बड़ा फैसला होगा.

अगर भारत इनमें से कुछ भी विकल्प अपनाती है तो ये पाकिस्तान को कूटनीतिक और आर्थिक तौर पर नुकसान पहुंचाने वाला होगा. भारत का मकसद पहलगाम आतंकी हमले के बाद कश्मीर में नए सिरे से गहराती अनिश्चितता और अस्थिरता पर जल्द से जल्द लगाम लगाना है. जम्मू कश्मीर में हुए इस हमले के पीछे द रजिस्टेंस फ्रंट का नाम आ रहा है. ये पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के साथ मिलकर काम करता है. मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि हमालवरों में कुछ स्थानीय भी हो सकते हैं. पहले इन हमलावरों की केवल स्केच ही भारत के पास थी मगर अब इनकी तस्वीरें भी सामने आ गई हैं. इधर, सेना पूरे कश्मीर खासकर दक्षिण कश्मीर में सर्च ऑपरेशन पर लगी हुई है. गिरफ्तार लोगों से आतंकियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है.

कामजोंग जिले के गांवों में आगजनी,हालात तनावपूर्ण

इम्फाल.

मणिपुर के कामजोंग जिले के सहमफुंग उप-मंडल के अंतर्गत गमपाल और हैयांग गांव में बुधवार सुबह करीब 9:00 बजे अज्ञात बदमाशों ने गांव के कई घरों में आग लगा दी. आगजनी की घटना ने इलाके में तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है, जिससे सार्वजनिक शांति और सुरक्षा को खतरा है.आगजनी की घटना के बाद जिला मजिस्ट्रेट ने बुधवार दोपहर 2:00 बजे से कर्फ्यू लगा दिया. यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 की उप-धारा 1 के तहत जारी किया गया था. यह लोगों के अपने घरों से बाहर निकलने और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगाता है. कर्फ्यू अगले नोटिस तक लागू रहेगा. हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में शामिल सरकारी एजेंसियों को छूट दी गई है और उन्हें अपना काम जारी रखने की अनुमति है.

आगजनी की घटना के बाद स्थिति तनावपूर्ण : इसके अतिरिक्त, जिला मजिस्ट्रेट ने स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और शांति सुनिश्चित करने के लिए, सहमफुंग के एसडीसी हंग्यो युरेइकन को गम्पाल और हैयांग के पूरे क्षेत्र के लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है. स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, और अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं क्योंकि वे दोषियों की पहचान करने और आगे की हिंसा को रोकने के लिए काम कर रहे हैं. एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि सात से अधिक घर, मुख्य रूप से फूस की छत वाले ढांचे, जलकर राख हो गए.

मणिपुर में मई 2023 से लगातार घट रही है हिंसा : आधिकारिक आदेश में पीटर ने कहा, "इस तरह की गड़बड़ी से शांति भंग हो सकती है, सार्वजनिक शांति को खतरा हो सकता है और मानव जीवन और संपत्तियों को खतरा हो सकता है." हालांकि, ये प्रतिबंध कानून और व्यवस्था बनाए रखने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में शामिल सरकारी एजेंसियों पर लागू नहीं होते हैं. बता दें कि मणिपुर मई 2023 से लगातार हिंसा की घटना घट रही है और इस साल फरवरी से राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है.

केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए लगातार काम किये जा रहे हैं. कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों के साथ लेकर हाल में केंद्र सरकार ने बैठक भी की थी और दोनों समुदाय के बीच अशांति समाप्त करने की लगातार कोशिश की जा रही है. इसके बावजूद मणिपुर में लगातार हिंसक वारदात हो रहे हैं.

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स वेंस भारत दौरे पर

नई दिल्ली.

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस अपने परिवार के साथ सोमवार (21 अप्रैल) से चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं. अपने दौरे के पहले दिन उन्होंने परिवार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की. वहीं, इसके एक दिन बाद उपराष्ट्रपति ने दिल्ली में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर की आध्यात्मिक यात्रा के साथ भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा शुरुआत की. उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेंस और उनके तीन बच्चे – इवान, विवेक और मीराबेल भी थे. बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के महंत स्वामी महाराज की ओर से धर्मवत्सलदास स्वामी, ब्रह्मविहारीदास स्वामी और ज्ञानमुनिदास स्वामी ने उपराष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया. वेंस परिवार का फूलों की माला और मैत्री धागे के साथ पारंपरिक स्वागत किया गया. वेंस परिवार को कई स्मारक उपहार भेंट किये गए, जिनमें स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का एक मॉडल, जटिल नक्काशीदार लकड़ी के हाथी शामिल थी.

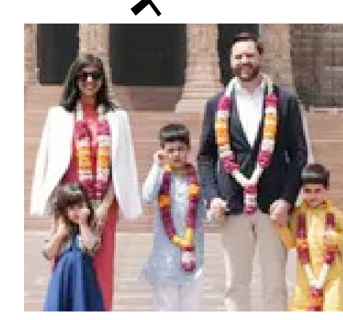

भगवान सबका भला करें- जेडी वेंस : अक्षरधाम में आध्यात्मिक अनुभव को साझा करते हुए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गेस्ट बुक में लिखा, 'इस खूबसूरत जगह पर मेरा और मेरे परिवार का स्वागत करने के लिए आपके आतिथ्य और दयालुता के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद. यह भारत के लिए बहुत बड़ा श्रेय है कि आपने सटीकता और देखभाल के साथ एक सुंदर मंदिर बनाया. हमारे बच्चों को विशेष रूप से यह बहुत पसंद आया. अमेरिकी उपराष्ट्रपति बनने के तौर पर जेडी वेंस की यह पहली अधिकारिक भारत यात्रा है. इस दौरान वह राजस्थान में स्थित आमेर किले और आगरा में दुनिया का सातवां अजूबा ताजमहल का भी दीदार करने पहुंचे. अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बुधवार सुबह आगरा पहुचे. ताज के दीदार के बाद उन्होंने विजिटर बुक में लिखा कि, ताजमहल अद्भुत है! समय की महानता और भारत के महान इतिहास का प्रतीक है.' इससे पहले जेडी वेंस मंगलवार देर शाम को जयपुर पहुंचे और अपने परिवार के साथ आमेर किले का दौरा किया. यह किला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है. वेंस का स्वागत पारंपरिक राजस्थानी शैली में किया गया. इस दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और डीप्टी सीएम दीया कुमारी भी मौजूद रहीं. आमेर किला मुख्य शहर से लगभग 11 किलोमीटर दूर एक छोटी-सी पहाड़ी पर स्थित है.

तुर्की में 6.2 तीव्रता का भूकंप, कई देश दहशत में

अंकारा.

तुर्की में बुधवार को अचानक धरती कांप उठी. दोपहर 3:19 बजे आए इस तेज भूकंप से तुर्की ही नहीं, बल्कि बुल्गारिया, ग्रीस और रोमानिया जैसे पड़ोसी देशों में भी लोग दहशत में आ गए. भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई, जिसका केंद्र इस्तांबुल से लगभग 73 किलोमीटर दूर था. कुछ ही सेकंड में तेज झटकों ने लोगों को घरों और दफ्तरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया. स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतें हिलने लगीं और लोग चीखते-चिल्लाते सड़कों पर निकल आए. इस्तांबुल, अंकारा और इजमिर जैसे प्रमुख शहरों में भूकंप का असर महसूस किया गया.

फिलहाल किसी बड़ी जनहानि या संपत्ति नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि कुछ पुरानी इमारतों में दरारें देखी गई हैं.

क्यों आया भूकंप? : तुर्की के भूकंप विज्ञान केंद्र ने पुष्टि की है कि यह भूकंप भूमध्य सागर क्षेत्र में प्लेटों की हलचल के कारण आया. खास बात यह है कि भूकंप की गहराई उम्मीद के मुताबिक कम थी, जिससे इसका असर ज्यादा व्यापक क्षेत्र में महसूस किया गया. ग्रीस और बुल्गारिया के कुछ शहरों में भी हल्के झटके महसूस किए गए, जबकि रोमानिया के कुछ हिस्सों में लोगों ने फर्नीचर हिलते हुए देखा.

एलर्ट पर सभी रेस्क्यू टीम : आपदा प्रबंधन एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है और राहत एवं बचाव टीमों को संभावित प्रभावित इलाकों में भेजा गया है. साथ ही, इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर भी जारी किये गए हैं. वहीं, लोगों को सचेत किया गया है कि आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटके) की संभावना बनी हुई है.

इस साल आया था सबसे भयानक भूकंप : तुर्की वैसे भी भूकंपीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र में आता है और इससे पहले भी यहां कई बार घातक भूकंप आ चुके हैं. साल 2023 में आए विनाशकारी भूकंप में हजारों लोगों की जान चली गई थी. ऐसे में ताजा झटकों ने पुराने जख्म ताजा कर दिये हैं. सरकार और आपदा एजेंसियां हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और जरूरत पड़ने पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी बात कही गई है.

पुतिन के बेटे इवान की तस्वीर वायरल

मास्को.

व्लादिमीर पुतिन के बड़े बेटे इवान की हाल ही में सामने आई तस्वीरों ने एक बार फिर उनके निजी जीवन को सुर्खियों में ला दिया है. रिपोर्ट्स के अनुसार, 10 वर्षीय इवान, पुतिन और एलिना काबेवा के बेटे हैं और एक बेहद निजी जीवन जीते हैं. उनकी शिक्षा, शौक और भविष्य की भूमिका को लेकर कई तरह की चर्चायें हो रही हैं, जिसमें उन्हें पुतिन का उत्तराधिकारी माने जाने की बात भी शामिल है. 72 साल के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पर्सनल लाइफ अक्सर सुर्खियों में रहती है. सितंबर 2024 में रूस में पुतिन की पत्नी और 2 बेटे को लेकर एक मैगजीन ने बड़ा दावा किया था. मैगजीन के मुताबिक पुतिन के 2 बेटे सीक्रेट जिंदगी जी रहे हैं. इस दावे के 7 महीने बाद अब पुतिन के बड़े बेटे की तस्वीर मीडिया में सामने आई है.

पुतिन के बड़े बेटे हैं 10 साल के इवान : द मॉस्को टाइम्स ने क्रेमलिन विरोधी एक डोजियर के हवाले से बताया था कि इवान का जन्म 2015 में हुआ है. इवान व्लादिमीर पुतिन और एलिना का सबसे बड़ा बेटा है. इवान का जन्म स्विटजरलैंड में हुआ था. इवान की पढ़ाई-लिखाई मॉस्को में ही होती है. रिपोर्ट के मुताबिक इवान अंग्रेजी और रूसी भाषा की पढ़ाई करते हैं. साथ ही उन्हें जिम और तैराकी की भी ट्रेनिंग दी जाती है. पुतिन का यह बेटा लाइमलाइट से दूर रहता है और घर से तभी निकलता है, जब कोई बड़ा कार्यक्रम होता है. इवान के अलावा भी पुतिन के एक और बेटे के बारे में दावा किया जाता रहा है. पुतिन का यह छोटा बेटा 6 साल का है. उसका नाम पुतिन जूनियर है.

1983 में पुतिन ने की थी पहली शादी : व्लादिमीर पुतिन जब केजीबी के अधिकारी थे, तब उन्होंने पहली शादी 1983 में ल्यूडमिला पुतिना से की थी. ल्यूडमिला से पुतिन की 2 बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है. 2013 में पुतिन ने ल्यूडमिला से तालाक ले लिया था. कहा जा रहा है कि उसके बाद ही उन्होंने एलिना से सीक्रेट शादी की थी. डोजियर सेंटर के मुताबिक इवान का जब जन्म हुआ तो पुतिन काफी खुश थे और टेबल पर हाथ मारकर उन्होंने अपने दोस्तों से कहा था कि चलो आखिर बेटा हो गया. इवान वैसा ही दिखते हैं. जैसा बचपन में व्लादिमीर पुतिन दिखते थे. इवान को ही पुतिन का उत्तराधिकारी भी माना जाता है.

अब तक जो रूस का संविधान है, उसके मुताबिक पुतिन जिंदगीभर रूस के राष्ट्रपति रहेंगे. ऐसे में कहा जा रहा है कि आने वाले वक्त में रूस के संविधान में इवान को लेकर भी कोई प्रावधान किया जा सकता है. यानी भविष्य में पुतिन की जगह रूस में इवान भी ले सकते हैं. हालांकि, क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति भवन) न तो इवान को लेकर किसी दावे को खारिज करता है और न ही समर्थन.

अंतरिक्ष दिवस पर चीन शेनझोउ-20 मिशन की तैयारी में

बीजिंग.

चीन बृहस्पतिवार को अपने 10वें अंतरिक्ष दिवस के मौके पर अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजेगा। ये तीनों अंतरिक्ष यात्री पिछले छह महीने से स्टेशन पर तैनात अपने सहयोगियों की जगह लेंगे। चीन की ओर से यह घोषणा बुधवार को की गई है। चीनी मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी के प्रवक्ता लिन जिकियांग ने इस बारे में जानकारी दी है। लिन ने बताया कि चालक दल के साथ शेनझोउ-20 अंतरिक्ष मिशन को बृहस्पतिवार को प्रक्षेपित किया जाएगा।

जानें चीनी अंतरिक्ष यात्रियों के नाम : अंतरिक्ष यान में तीन अंतरिक्ष यात्री होंगे- चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी। चेन डोंग कमांडर के रूप में कार्य करेंगे। लिन ने कहा कि चालक दल 'जेब्राफिश', सूक्ष्म जीव 'प्लैनेरियन' और एक तरह के बैक्टीरिया 'स्ट्रेप्टोमाइस' से जुड़े नए प्रयोग करेगा।

चीन ने 24 अप्रैल, 1970 को अपने पहले उपग्रह, डोंगफैंगहोंग-1 के सफल प्रक्षेपण के बाद 2016 में इस दिन को अपना अंतरिक्ष दिवस घोषित किया था।

चीन के पास है अपना अंतरिक्ष स्टेशन : शेनझोउ-20 चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम का 35वां उड़ान मिशन है। चालक दल इस साल अक्टूबर के अंत में उत्तरी चीन में डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर लौट सकता है। चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन तब बनाया जब कथित तौर पर इसे इन चिंताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर कर दिया गया कि चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम को उसकी सेना, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा संचालित किया जाता है। यह वर्तमान में एकमात्र ऐसा देश है जिसका अपना अंतरिक्ष स्टेशन है।

पीएम मोदी का आज मधुबनी दौरा

> अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे

मधुबनी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार के मधुबनी का दौरा करेंगे. वह मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस अवसर पर पीएम मोदी बिहार में 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. प्रधानमंत्री बिहार में अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाएंगे. प्रधानमंत्री मोदी मधुबनी में लगभग 11:45 बजे राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. वे 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे तथा इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे. प्रधानमंत्री मधुबनी, बिहार में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. इस अवसर पर वे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को मान्यता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार भी प्रदान करेंगे.

प्रधानमंत्री कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास: प्रधानमंत्री बिहार के गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग 340 करोड़ रुपये की लागत से रेल अनलोडिंग सुविधा वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखेंगे. इससे आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने और थोक एलपीजी परिवहन की दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी. क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए प्रधानमंत्री 1,170 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत बिहार में बिजली क्षेत्र में 5,030 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे.

वह सुपौल पिपरा रेल लाइन, हसनपुर बिथान रेल लाइन और छपरा और बगहा में दो 2-लेन रेल ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन करेंगे. वह खगड़िया-अलौली रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित करेंगे. इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी में सुधार होगा और क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा.

नमो भारत रैपिड रेल को दिखाएंगे हरी झंडी : देश भर में रेल संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री सहरसा और मुंबई के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस, जयनगर और पटना के बीच नमो भारत रैपिड रेल और पिपरा और सहरसा तथा सहरसा और समस्तीपुर के बीच ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे. प्रधानमंत्री दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत बिहार के 2 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत लगभग 930 करोड़ रुपये का लाभ वितरित करेंगे. प्रधानमंत्री पीएमएवाई-ग्रामीण के 15 लाख नए लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी सौंपेंगे और देश भर के 10 लाख पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को किस्तें जारी करेंगे. वह बिहार में 1 लाख पीएमएवाई-जी और 54,000 पीएमएवाई-यू घरों के गृह प्रवेश के अवसर पर कुछ लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे.